DD
RNI No. DLHIN/25/A2321
दिव्य दिल्ली
दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र
वर्ष: 01, अंक: 14, पृष्ठ: 08
infodivyadelhi@gmail.com
रविवार, 21 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi
तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री सूर्योदय 05.25 सूर्यास्त 06.50

सबरीमाला पर झूठा प्रचार बंद हो: पिरनई

पठानमथिट्टा (केरल)
केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने शनिवार को कहा कि यह जानबूझकर झूठ फैलाया जा रहा है कि सरकार सबरीमाला में किसी अल्पसंख्यक बैठक की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, इस तरह का प्रचार केवल लोगों को गुमराह करने की एक राजनीतिक चाल है। पत्रकारों का काम है कि वह सच्चाई को ईमानदारी से सामने रखे , लेकिन कुछ लोग जानबूझकर झूठ फैलाते हैं। एक सुनियोजित झूठ कुछ लोगों को गुमराह कर सकता है, लेकिन सच्चाई हमेशा स्पष्ट रहती है। विजयन पठानमथिट्टा में वैश्विक अयप्पा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि 2031 तक केरल को कैसे आगे ले जाना है, खासकर जब हम केरल के एकीकरण की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इसी क्रम में अक्तूबर में 33 विभागीय सेमिनार होंगे, जिनकी मेजबानी संबंधित मंत्री करेंगे। इन सेमिनार से यह पता चलेगा कि केरल ने अब तक कितनी प्रगति की है और विकास की दिशा में आगे कैसे बढ़ना है। विजयन ने कहा, कोरोना संकट के समय में देवस्वम बोर्ड की रोजमर्रा की गतिविधियां भी मुश्किल में आ गई थीं। उस समय सरकार ने 140 करोड़ रुपये की मदद की। इसके अलावा, 129 करोड़ रुपये मंदिरों की मरम्मत के लिए दिए। 2011-12 से अब तक सबरीमाला मास्टर प्लान के तहत करीब 148 करोड़ रुपये विकास परियोजनाओं पर खर्ज किए गए हैं।

'रेल नीर' का 1 लीटर पानी 14 रुपये में मिलेगा

नई दिल्ली
भारतीय रेलवे ने रेल नीर की कीमतों में कमी करते हुए 1 लीटर पानी की कीमत 15 रुपये से घटाकर 14 रुपये कर दी है। आधा लीटर रेल नीर की बोतल की कीमत भी 10 रुपये से घटाकर 9 रुपये कर दी गई है.यह नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी और केवल रेलवे के अपने ब्रांड रेल नीर पर ही प्रभावी होंगी. क्या हमारी अक समरी आपके लिए उपयोगी रही?

विकसित भारत के लिए अपनाएं स्वदेशी: पीएम मोदी

100 दुखों की एक ही दवा है और वह है आत्मनिर्भर भारत: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भावनगर
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात के भावनगर पहुंचे। यहां पीएम मोदी ने 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया और 34,200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद पीएम मोदी एक जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, ये कार्यक्रम तो भावनगर में हो रहा है, लेकिन ये कार्यक्रम पूरे हिंदुस्तान का है। पूरे भारत में समुद्र से समृद्धि से जाने की ओर हमारी दिशा क्या है, उसके लिए आज इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का केंद्र भावनगर को चुना गया है। गुजरात और भावनगर के लोगों को बहुत बहुत बधाई। 17 सितंबर को आप सबने अपने नरेन्द्र भाई को जो शुभकामनाएं भेजी हैं, देश और दुनिया से जो मुझे शुभकामनाएं मिली हैं... व्यक्तिगत तौर पर सबका धन्यवाद करना संभव नहीं है, लेकिन भारत के कोने-कोने से, विश्वभर से ये जो प्यार मिला है, आशीर्वाद मिले हैं। ये मेरी बहुत बड़ी संपत्ति है, ये मेरी बहुत बड़ी ताकत है। इसलिए मैं आज सार्वजनिक रूप से देश और दुनिया के सभी महानुभावों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

'100 दुखों की एक ही दवा है और वह है आत्मनिर्भर भारत'
पीएम मोदी ने आगे कहा, भारत आज विश्वबंधु की भावना से आगे बढ़ रहा है। दुनिया में हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। सच्चे अर्थ में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता...। यही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है और हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना ही होगा। जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता... उतनी ज्यादा देश की विफलता। विश्व में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए... दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना ही होगा।

'भारत को आत्मनिर्भर बनाना होगा'

140 करोड़ देशवासियों के भविष्य को हम दूसरों पर या उनकी निर्भरता पर नहीं छोड़ सकते। भावी पीढ़ी के भविष्य को दांव पर नहीं लगाया जा सकता है। 100 दुखों की एक ही दवा है और वह है आत्मनिर्भर भारत, इसलिए हमें चुनौतियों से टकराना होगा और भारत को आत्मनिर्भर बनकर दुनिया के सामने खड़ा होना होगा।

'कांग्रेस सरकार की नीतियों ने देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया'
कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत में सामर्थ्य

की कोई कमी नहीं है, लेकिन आजादी के बाद कांग्रेस ने भारत के हर सामर्थ्य को नजरअंदाज किया, इसलिए आजादी के 6-7 दशकों बाद भी भारत वो सफलता हासिल नहीं कर पाया, जिसके हम हकदार थे। इसके दो बड़े कारण रहे- लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में उलझाए रखा।

2047 तक हमें विकसित होना है: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 2047 तक हमें विकसित होना है तो भारत को आत्मनिर्भर होना ही होगा... इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। 140 करोड़ देशवासियों का एक ही संकल्प होना चाहिए- चिप हो या शिप... हमें भारत में ही बनाने होंगे। इसी सोच के साथ आज भारत समुद्री क्षेत्र भी नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म करने जा रहा है। इसी सोच के साथ वन नेशन, वन डॉक्यूमेंट और

वन नेशन, वन पोर्ट प्रोसेस लागू किया जाना है। भारत को सबसे बड़ी समुद्री शक्ति बनाने के लिए तीन बड़ी योजनाओं पर काम चल रहा है और आने वाले वर्षों में इस पर 70 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए जाएंगे।

कृषि उपकरणों में जीएसटी कटौती का लाभ किसानों तक पहुंचाएं: केद्र

नई दिल्ली
कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्रैक्टर और कृषि उपकरण बनाने वाली कंपनियों से अपील की कि वे 22 सितंबर से जीएसटी कटौती का लाभ किसानों तक पहुंचाएं। कृषि उपकरणों पर 12 और 18 की जगह लगेगा पांच प्रतिशत जीएसटी
उन्होंने कहा कि इस कदम से अलग-अलग श्रेणी के ट्रैक्टरों की कीमत में 23 हजार रुपये से 63 हजार रुपये तक की भारी कमी होगी। उल्लेखनीय है कि जीएसटी

सुधार के तहत कृषि उपकरणों पर 12 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की जगह टैक्स घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। कृषि उपकरण निमार्ताओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए शिवराज ने कहा कि जीएसटी में कटौती से देशभर के कस्टम हायरिंग सेंटर में कृषि मशीनें सस्ती हो जाएंगी और किराये में भी उसी हिसाब से कमी आनी चाहिए। हम इस पर काम करेंगे। कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) का मुख्य उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को सब्सिडी दरों पर कृषि उपकरण और मशीनरी किराये पर उपलब्ध कराना है।

ईरान और नेपाल जाने वाले भारतीय रहें सावधान

नई दिल्ली
भारत सरकार ने ईरान और नेपाल जाने वाले भारतीयों को सतर्क रहने को कहा है। वैसे दोनों देशों के लिए अलग-अलग वजहें बताई गई हैं। नेपाल जाने वाले भारतीयों को आगाह करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा है कि नेपाल की स्थिति पिछले सप्ताह के मुकाबले काफी सुधर गई है। सड़क मार्ग और उड़ान सेवाएं भी सामान्य होने लगी हैं। इसके बावजूद वहां जाने वाले भारतीयों को सतर्कता बरतने की सलाह है। उन्हें काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास की तरफ से जारी होने वाली सलाहों पर ध्यान देना चाहिए। अगर कोई जरूरत हो तो भारतीय दूतावास के फोन नंबर पर संपर्क करना चाहिए।

'सबको पता है आतंकियों व पाक सेना का गठजोड़'

इस्लामाबाद के आतंकवादी समूहों के साथ संबंधों का खुलासा हुआ, आतंकवादियों और सेना के बीच गठजोड़ से दुनिया अवगत: भारत

नई दिल्ली
पाकिस्तान से जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा आतंकियों के हालिया वीडियो पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रणधीर जायसवाल ने कहा, "आतंकवाद के मामलों में हम रुख स्पष्ट है कि दुनिया को पता है कि आतंकियों, पाकिस्तानी सरकार तथा वहां की सेना के बीच गठजोड़ है।" उन्होंने कहा कि ऐसे बयान इसे और भी ज्यादा स्पष्ट कर देते हैं। साथ ही याद दिलाया कि किस प्रकार पाकिस्तान अभी भी आतंकवाद का गढ़ बना हुआ है।

आतंकवादियों से पाक सेना का गठजोड़
विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इन संदेशों से इस्लामाबाद के आतंकवादी समूहों के साथ संबंधों का खुलासा हुआ है। उन्होंने कहा, "दुनिया आतंकवादियों और पाकिस्तानी सरकार एवं सेना के बीच गठजोड़ से अवगत है।" जायसवाल ने अपने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा कि इस तरह के बयान इसे और भी स्पष्ट कर देते हैं। इसलिए, हम उन दृश्यों को इसी तरह देखते हैं, जिनके बारे में आपने बात की।

जायसवाल ने कही ये बात
हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर कई कथित वीडियो संदेश प्रसारित हुए हैं, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद के नेता लोगों को भारत के खिलाफ जिहाद के लिए आतंकवादी समूह

दुनिया को पता है कि आतंकियों, पाकिस्तानी सरकार तथा वहां की सेना के बीच गठजोड़ है

में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करते नजर आ रहे हैं। कुछ वीडियो में जैश-ए-मोहम्मद के नेताओं ने आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर भारत के सैन्य हमलों के प्रभाव के बारे में भी बात की। गुरुवार को वायरल हुए एक वीडियो में जैश कमांडर इलियास कश्मीरी ने कहा कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने बहावलपुर के कोर कमांडर और सैनिकों को सीधे आदेश दिया था कि वे 7 मई को जैश मुख्यालय पर भारतीय मिसाइल हमलों में मारे गए लोगों के अंतिम संस्कार में शामिल हों।
पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।

कानून मंत्री मेघवाल ने सरकारी विभागों की प्रवृत्ति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली
केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को कहा कि सरकारी विभागों में न्यायालय के आदेशों को चुनौती देने की प्रवृत्ति को कम करना जरूरी है। वे यहां केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) के एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मेघवाल ने बताया कि कई बार कोर्ट या सीएटी द्वारा उचित और सही फैसले दिए जाने के बाद भी सरकारी विभाग और अधिकारी अपील दायर कर देते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि कभी-कभी अधिकारी अपने खिलाफ दिए गए निर्णयों को बचाने के लिए अपील

दायर करते हैं। कानून मंत्री ने कहा कि उन्हें अक्सर ऐसे मामले मिलते हैं जहां केंद्र सरकार के विभाग मजबूत कोर्ट आदेशों के खिलाफ अपील करने की योजना बना रहे हैं। सीएटी को न्याय में बाधा न बनने के लिए नवीनतम तकनीक जैसे ई-फाइलिंग और वर्चुअल सुनवाई का इस्तेमाल करना चाहिए।

एनएसए डोभाल की कनाडाई समकक्ष के साथ बैठक, सुरक्षा सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली
एनएसए अजीत डोभाल ने नई दिल्ली में 18 दिसंबर को अपनी कनाडाई समकक्ष नतालि जी. ड्रूइन से मुलाकात की। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच नियमित द्विपक्षीय सुरक्षा संवाद का हिस्सा थी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडा के समकक्ष मार्क कार्नी के बीच कनाडा के अल्बर्टा में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई चर्चा को आगे बढ़ाने का भी अवसर था। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई।

दोनों पक्षों के बीच इन मुद्दों पर हुई चर्चा
दोनों पक्षों ने माना कि राजनीतिक नेतृत्व के बीच उच्चतम स्तरपर फिर से भरोसे को बनाने और सहयोग को बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने आतंकवाद विरोधी गतिविधियों, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों से लड़ने और खुफिया जानकारी साझा करने जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों ने सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने और मौजूदा संपर्क तंत्रों को और मजबूत करने पर सहमति जताई। भविष्य के सहयोग के क्षेत्रों पर भी विचार-विमर्श किया और क्षेत्रीय व वैश्विक घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के नए अध्याय के लिए करीबी सहयोग करने और सहयोग का दृष्टिकोण

विभागों को निर्देश, दीवाली व दूसरे त्योहारों पर बंद करें गिफ्ट देना

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसयू) के कर्मचारी हैरान हैं

नई दिल्ली
केंद्र सरकार में वित्त मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार डॉ. सुमंत्र पाल की एक सलाह, कर्मचारियों के बीच चर्चा का केंद्र बनी है। इस सलाह पर केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसयू) के कर्मचारी हैरान और परेशान हैं।
दरअसल, आर्थिक सलाहकार की तरफ से 17 सितंबर को लोक उद्यम विभाग (डीपीई) को कहा गया है कि केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में दीवाली और दूसरे त्योहारों पर गिफ्ट देने की प्रथा पर रोक लगाई जाए। गिफ्ट से सरकारी खर्च बढ़ता है। अर्थव्यवस्था में जनता के संसाधनों का न्यायपूर्ण उपयोग हो, इसके लिए यह कदम उठाना जरुरी है। आर्थिक सलाहकार ने लोक उद्यम विभाग के चीफ एग्जीक्यूटिव को लिखे पत्र में कहा है, यह देखने में आया है कि केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में दीवाली सहित दूसरे त्योहारों पर गिफ्ट देने की प्रेक्टिस है। अर्थव्यवस्था में पब्लिक रिसोर्स का न्यायपूर्ण इस्तेमाल हो, इसके लिए ऐसी प्रेक्टिस पर रोक लगाई जानी चाहिए। इसके चलते अब सभी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों से आग्रह किया गया है कि वे इस प्रेक्टिस को बंद कर दें। किसी भी त्योहार पर गिफ्ट का आदान प्रदान रोक दें। आर्थिक सलाहकार ने कहा है कि इन दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

माओवादी संगठन में पहली बार शीर्ष स्तर पर फूट, हथियार डालने की घोषणा से आई दरार

जगदलपुर
माओवादी संगठन में पहली बार शीर्ष स्तर पर फूट खुलकर सामने आई है। संगठन के पोलित ब्यूरो सदस्य और केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय उर्फ भूपति ने हाल ही में एक आधिकारिक पत्र जारी कर एक माह के लिए संघर्ष विराम की घोषणा की और शांति वार्ता का प्रस्ताव रखा।
उन्होंने पत्र में स्वीकार किया कि हथियार उठाना संगठन की सबसे बड़ी भूल थी और इसके लिए जनता से माफी भी मांगी। इस घोषणा के बाद अधीनस्थ तेलंगाना स्टेट कमेटी ने तुरंत पत्र जारी कर इसे प्रवक्ता की निजी राय बताते हुए खारिज कर दिया है। समिति के प्रतिनिधि जगन ने स्पष्ट किया कि यह पार्टी का आधिकारिक निर्णय नहीं है और इससे संगठन में अनावश्यक भ्रम और अस्थिरता फैल रही है। यह पहली बार है जब केंद्रीय समिति के प्रवक्ता की ओर से जारी घोषणा का अधीनस्थ इकाई ने सार्वजनिक रूप से विरोध किया है।

सुरक्षा बलों की कार्रवाइयों से संगठन कमजोर
माओवादी संगठन की यह आंतरिक खींचतान ऐसे समय में उजागर हुई है जब लगातार नेतृत्व हानि और सुरक्षा बलों की कार्रवाइयों से संगठन कमजोर हो चुका है। 21 मई को एक बड़े हमले में महासचिव समेत 28 कैडर मारे गए। इसके बाद कई बड़े नेता मारे गए या आत्मसमर्पण कर चुके हैं। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मार्च 2026 तक माओवादियों का खात्मा किया जाएगा। सुरक्षा बल अब मजबूत स्थिति में हैं और माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में गहरी पैठ बना चुके हैं। माओवादियों के सामने अब आत्मसमर्पण या मुठभेड़ में मारे जाने का विकल्प है।
-सुंदरराज पी., आइजीपी बस्तर रेंज

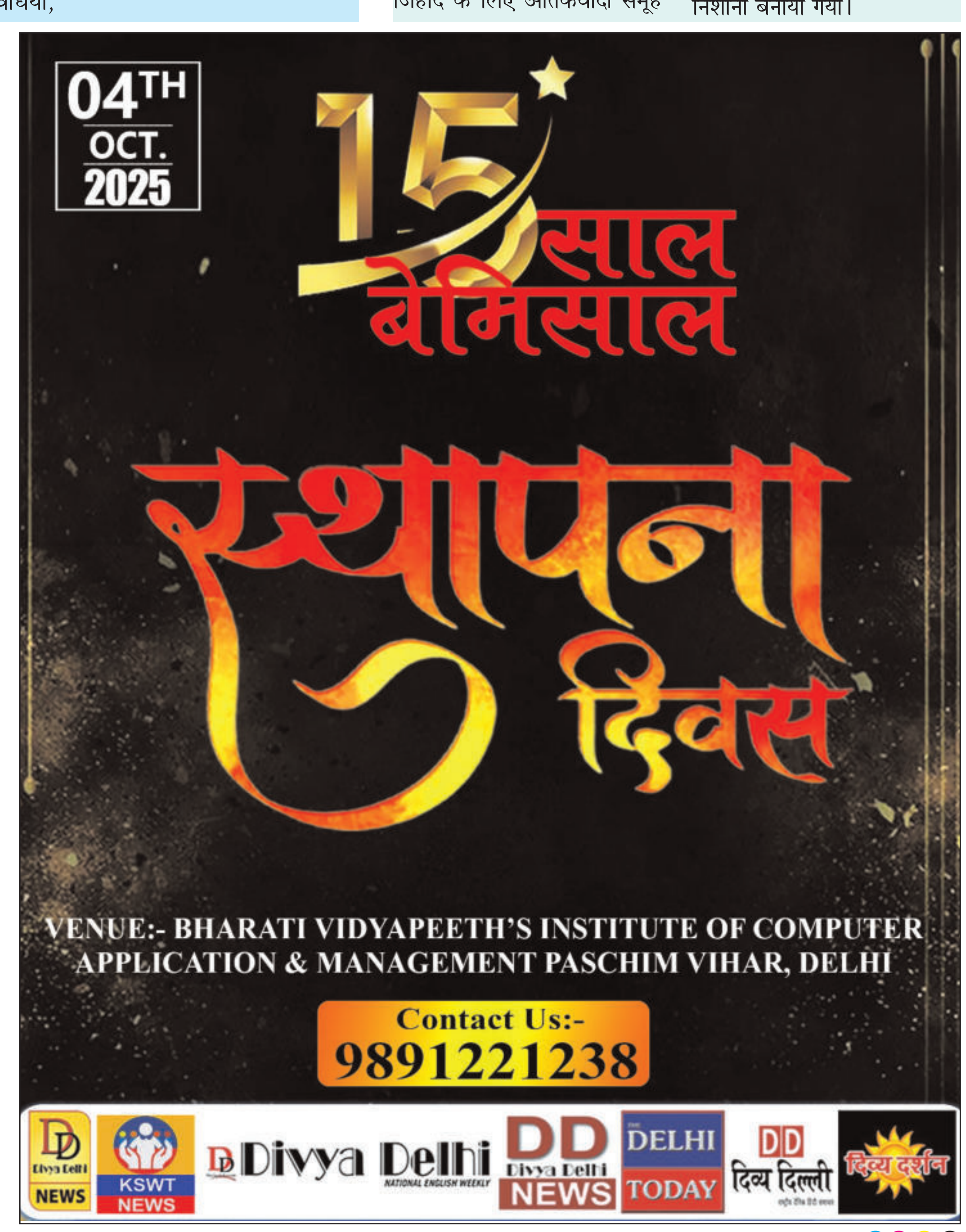

गरबा में केवल हिंदू वाले विहिप के परामर्श पर रार

मुंबई
महाराष्ट्र में विश्व हिंदू परिषद के गरबा कार्यक्रम में केवल हिंदू वाले परामर्श को लेकर रार छिड़ गई है। विहिप ने नवरात्र गरबा कार्यक्रम के आयोजकों को सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है कि गरबा कार्यक्रमों में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश दिया जाए। साथ ही प्रवेश करने वालों के आधार कार्ड की जांच करें। विहिप की इस सलाह का भाजपा ने समर्थन किया है। जबकि कांग्रेस ने विहिप पर आरोप लगाए हैं।

पहले समझिए विहिप की सलाह
देशभर में नवरात्र 22 सितंबर से एक अक्तूबर तक मनाई जाएगी। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीराज नायर ने कहा कि गरबा महज एक नृत्य नहीं है। बल्कि देवी को प्रसन्न करने की पूजा का एक रूप है। मुसलमानों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि वे लोग मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं रखते। केवल उन्हीं लोगों को इसमें भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए, जो इन अनुष्ठानों में आस्था रखते हैं। विहिप ने गरबा आयोजकों को परामर्श जारी कर प्रवेश द्वार पर आधार कार्ड की जांच करने, प्रतिभागियों को तिलक लगाने और प्रवेश से पहले पूजा करने को कहा है। नायर ने कहा कि विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता आयोजनों पर नजर रखेंगे। गरबा पूजा का एक रूप है, मनोरंजन नहीं। जिन लोगों की देवी में आस्था नहीं है, उन्हें इसका हिस्सा नहीं बनना चाहिए।

वडोदरा में सोशल मीडिया पोस्ट से फैला तनाव

वडोदरा
गुजरात के वडोदरा के जूनीगढ़ इलाके में शुक्रवार देर रात पथराव की एक घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने बताया कि यह हिंसा एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट के वायरल होने के बाद भड़की। समुदाय विशेष को निशाना बनाकर की गई पोस्ट के बाद लोगों में गुस्सा भड़क उठा। विरोध में सिटी पुलिस स्टेशन के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई। इस दौरान भीड़ ने एक नवरात्रि पंडाल को निशाना बनाया और पथराव किया। पुलिस ने तुरंत अतिरिक्त बल तैनात किया और स्थिति को नियंत्रण में किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए, वडोदरा सिटी पुलिस की अतिरिक्त आयुक्त डॉ. लीना पाटिल मौके पर पहुंचीं।

'वोट चोरी कर सत्ता में आए मोदी, हमारे पास पक्के सबूत'

उनके पास एक 'हाइड्रोजन बम' सबूत है, जो पूरी सच्चाई को सामने लाएगा: राहुल गांधी

वायनाड (केरल)।
कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को फिर से वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनके पास एक 'हाइड्रोजन बम' सबूत है, जो पूरी सच्चाई को सामने लाएगा और साबित करेगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोट चोरी कर सत्ता हासिल की। उन्होंने वायनाड में कहा, हम एक हाइड्रोजन बम लाने जा रहे हैं, जो स्थिति को पूरी तरह तहस-नहस कर देगा। हम जो कह रहे हैं, उसके हमारे पास स्पष्ट प्रमाण हैं। मैं बिना सबूत के कुछ नहीं कह रहा हूं। हमारे पास सौ फीसदी जानकारी है कि जो कुछ हुआ है, वह सामने आने वाला है। उन्होंने अपने पिछली दो प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए कहा, हमने महादेवपुरा और आलंद में मतदाता की गलत तरीके से जोड़ी और हटाई गई जानकारी दिखाई है। हम इसे इस तरह दिखाएंगे कि भारत में कोई भी यह शक नहीं करेगा कि नरेंद्र मोदी ने वोट चोरी कर चुनाव जीता है। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयोग (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरों की रक्षा' करने का आरोप लगाया और कहा कि कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र से छह हजार मतदाताओं के नाम हटाने की जांच चुनाव आयोग के प्रमुख के खिलाफ एक स्पष्ट आरोप है।

'ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रही सीआईडी जांच'
उन्होंने कहा, हमने प्रेस कॉन्फ्रेंस में काले और सफेद (ब्लैक एंड व्हाइट) में सबूत पेश किए। कर्नाटक में सीआईडी जांच चल रही है।
सीआईडी ने वोट चोरी में इस्तेमाल फोन नंबरों की जानकारी मांगी है। ज्ञानेश कुमार ही वह सीईसी हैं, जिनकी कर्नाटक सीआईडी जांच कर रही है। इससे बड़ा आरोप चुनाव आयोग के प्रमुख पर नहीं हो सकता। यह मेरा बयान नहीं, बल्कि तथ्य है।

वायनाड के लोगों ने मेरी रक्षा की: राहुल गांधी

आयोग ने साफ किया कि आलंद में किसी भी मतदाता का गलत तरीके से नाम नहीं हटाया गया है। राहुल गांधी ने कहा, जब मुझ पर हमला हुआ, वह बहुत ही क्रूर हमला था, तब वायनाड के लोगों ने मेरी रक्षा की। यही एक परिवार का सदस्य करता है। आपने मेरे साथ वैसा ही व्यवहार किया, जैसा मेरी बहन या मेरी मां करतीं। आपके व्यवहार ने मेरे साथ एक गहरा रिश्ता बना दिया। अब मेरे पास और कोई विकल्प नहीं बचा। मैं आपको परिवार का ही हिस्सा मानता हूं, क्योंकि आप यह भी कह सकते थे कि हम इ आदमी की रक्षा नहीं करेंगे, लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। आपने कहा- इस आदमी के साथ अन्याय हो रहा है और हम इसकी रक्षा करेंगे।

'सत्ता मिलने पर अहंकारी हो जाते हैं कई राष्ट्रीय नेता'

राहुल गांधी ने कहा कि जब उनसे पूछा गया कि क्या उनका 'हाइड्रोजन बम' प्रधानमंत्री मोदी के वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से जुड़ा होगा, तो उन्होंने कहा कि मीडिया का काम अटकलें लगाना है, जबकि काम अपना कार्य करना है। उन्होंने यह, ये अटकलें आपको लगानी हैं, यह अटकलें आपको लगानी है, मैं अपना काम करूंगा, मैं अपना काम करके दिखाऊंगा।
राहुल गांधी ने वायनाड में कन्नथारा ग्राम पंचायत में ओमन चांडी मेमोरियल ऑडिटोरियम के उद्घाटन समारोह में भी हिस्सा लिया। उन्होंने

कहा कि पूर्व केरल मुख्यमंत्री ओमन चांडी हमेशा विनम्र रहे जबकि कुछ राष्ट्रीय स्तर के नेता सत्ता मिलने पर अहंकारी हो जाते हैं। उन्होंने कहा, आप देखेंगे कि कुछ नेता, जब उन्हें थोड़ी सत्ता मिलती है, तो वे अहंकारी हो जाते हैं। भारत में कई बड़े नेता हैं जिनमें विनम्रता नहीं है। लेकिन ओमन चांडी विनम्र क्यों थे? क्योंकि उनका केरल के लोगों से गहरा जुड़ाव था।

'लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों की सीईसी ने की रक्षा'
18 सितंबर को राहुल गांधी ने नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में ज्ञानेश कुमार पर भारत के लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों का बचाव करने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी कहा कि 'हाइड्रोजन बम' अभी सामने आना बाकी है, लेकिन एक समूह विशेष रूप से अल्पसंख्यक वोटों को काट रहा है जो खासतौर पर कांग्रेस को वोट देते हैं। चुनाव आयोग ने जवाब में कहा कि कोई भी आम व्यक्ति ऑनलाइन मतदाताओं के नाम नहीं हटा सकता है।

खरगे ने ट्रंप के एच-1बी वीजा फीस वृद्धि को बताया भारत के लिए झटका

नई दिल्ली
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा पर वार्षिक एक लाख डॉलर (लगभग 90 लाख रुपये) की फीस लगाने के फैसले पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नाराजगी जताई है। खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन के फोन के बाद मिले रिटर्न गिफ्ट्स से भारतीय बहुत दुखी हैं। उन्होंने इसे अबकी बार ट्रंप सरकार का जन्मदिन का तोहफा करार दिया।
खरगे ने कहा कि एच-1बी वीजा पर एक लाख डॉलर का वार्षिक शुल्क भारतीय तकनीकी कर्मचारियों को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगा, क्योंकि 70 प्रतिशत से ज्यादा एच-1बी वीजा धारक भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत टैरिफ पहले ही लग चुका है, जिससे 10 क्षेत्रों में भारत को 2.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। इसके अलावा भारतीय आउटसोर्सिंग को निशाना बनाने वाला एचआईआरई अधिनियम, चाबहार बंदरगाह से छूट हटाना जो रणनीतिक हितों के लिए नुकसानदेह है तथा यूरोपीय संघ से भारतीय वस्तुओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का आह्वान शामिल है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने 19 सितंबर को एक घोषणा जारी कर एच-1बी वीजा आवेदनों पर वार्षिक एक लाख डॉलर की अतिरिक्त फीस लगाने का ऐलान किया है। यह कदम अमेरिकी तकनीकी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है, जहां भारत सबसे बड़ा लाभार्थी है।

सिंधु जल संधि निलंबित होने से दिल्ली को मिलेगा पर्याप्त पानी: मनोहर लाल

नई दिल्ली
केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि के निलंबन से अगले एक से डेढ़ वर्ष में दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान को पर्याप्त जल उपलब्ध कराया जाएगा।

अगले डेढ़ वर्ष में यह जल दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान को उपलब्ध होगा
मनोहर लाल दिल्ली के नए ड्रेनेज मास्टर प्लान के अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि के तहत भारत का जल पाकिस्तान चला जाता था, लेकिन अब यह भारत में

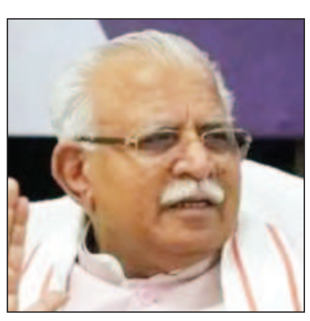

उपयोग किया जाएगा।
अगले डेढ़ वर्ष में यह जल दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान को उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि मानसून में हिमाचल प्रदेश से अधिक जल आने पर हथनी कुंड बैराज से यमुना में जल डालना आवश्यक है, अन्यथा बैराज क्षतिग्रस्त हो जाएगा और दिल्ली में बाढ़ की समस्या उत्पन्न हो जाएगी। इसके समाधान के लिए हथनी कुंड बैराज के पास डैम बनाने का निर्णय लिया गया है। शीघ्र ही इसका काम शुरू होगा। कहा कि यमुना की सफाई और जल संकट को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में रेणुकाजी बांध परियोजना, उत्तराखंड में लखवार बांध परियोजना और उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश किशाऊ बांध परियोजना का काम पूरा होने से भी दिल्ली को पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध होगा।

एचबी1 वीजा: अमेरिका को नुकसान, भारत का फायदा: कांत

नई दिल्ली
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा के लिए नियमों में बड़ा बदलाव कर दिया है। नए नियम के तहत अब नए वीजा के लिए एख लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपए का भुगतान करना होगा। ट्रंप के इस फैसले का भारत पर क्या असर होगा, इसको लेकर नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत का बड़ा बयान सामने आया है।
अमिताभ कांत ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ल-1बी वीजा पर 1,00,000 डॉलर वार्षिक शुल्क लगाने का फैसला अमेरिका के लिए नुकसान साबित होगा। ऐसा करने से अमेरिकी इनोवेशन

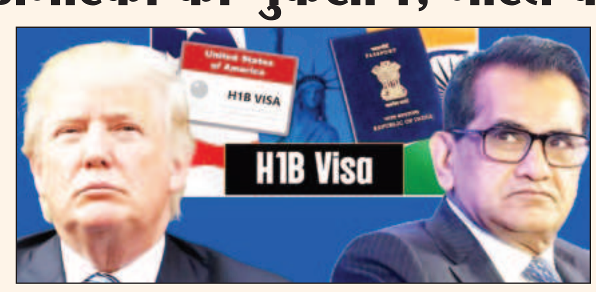

बाधित होगा। जबकि भारत को इससे फायदा होगा।

अमेरिका का नुकसान भारत का फायदा- अमिताभ कांत
उन्होंने कहा कि ग्लोबल टैलेंट प्रतिबंध लगाने से लैब, पेटेंट, इनोवेशन और स्टार्टअप भारतीय शहरों की ओर चले जाएंगे, जिससे अमेरिका का नुकसान भारत को फायदा होगा।

भारत में नवाचार को गति देगा ट्रंप का फैसला- अमिताभ कांत
अमिताभ कांत ने एक्स पर लिखा, "डोनाल्ड ट्रंप का 1,00,000 एच-1बी शुल्क अमेरिकी नवाचार को रोक देगा और भारत के नवाचार को गति देगा। वैश्विक प्रतिभाओं के लिए दरवाजा बंद करके, अमेरिका प्रयोगशालाओं, पेटेंटों, नवाचारों और स्टार्टअप्स की अगली लहर को बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे और गुड़गांव की ओर धकेल रहा है।" उन्होंने आगे कहा, "भारत के बेहतरीन डॉक्टरों, इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और इनोवेटर्स के पास विकसित भारत की दिशा में भारत के विकास और प्रगति में योगदान देने का अवसर है। अमेरिका का नुकसान भारत के लिए फायदेमंद होगा।"

एच-1बी वीजा के लिए देने होंगे 1 लाख डॉलर
बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार के घोषणा की कंपनियों को एच-1बी श्रमिक वीजा के लिए सालाना एक लाख अमेरिकी डॉलर का भुगतान करना होगा। ट्रंप के इस फैसले का आईटी सेक्टर पर गहरा असर पड़ सकता है।

सौ शहरों के स्थानीय निकायों की ऑडिट से जीवन स्तर में सुधार की पहल करेगा कैग

सीएजी की नजर पांच लाख से ज्यादा आबादी वाले सौ शहरों के निकायों पर

उद्योगों व स्टार्ट अप के लिए क्या किया जा रहा, इसकी भी होगी जांच

नई दिल्ली
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की नई योजना अगर परवान चढ़ गई तो देश के शहरी स्थानीय निकायों (यूएलजी) के कामकाज में ना सिर्फ बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे बल्कि इससे आम आदमी को बेहतर बुनियादी सुविधा मिलने का रास्ता भी साफ होगा और उद्यमियों व कारोबारियों को 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' का फायदा भी मिलेगा। इस बात का संकेत सीएजी के संजय मूर्ति ने राज्यों के वित्त सचिवों की बैठक में दिए। इसके तहत पांच लाख से ज्यादा आबादी वाले देश के सौ शहरों के स्थानीय निकायों की विशेष ऑडिट शुरू की जा रही है। इन शहरों में 'ईज ऑफ लिविंग' के पैमाने पर प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा। सीएजी की इस घोषणा को केंद्रीय बजट 2025-26 में 'अर्बन चैलेंज फंड' (यूसीएफ) के तहत एक लाख करोड़ रुपये की व्यवस्था से जोड़ कर देखा जा रहा है। निकायों के काम काज व उनके हिसाब किताब का परीक्षण यूसीएफ के बेहतर इस्तेमाल का रास्ता खोलेगा।

देश के जीडीपी में इन शहरों का बड़ा योगदान
सीएजी मूर्ति ने बैठक में जोर दिया कि शहरीकरण की रफ्तार तेज होने के बीच शहरों की वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने कहा, ह्लगभग 15 शहर देश के जीडीपी में 50 प्रतिशत से अधिक योगदान देते हैं। इसमें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद जैसे महानगर 30 प्रतिशत जीडीपी में हिस्सा देते हैं। ये शहर देश की सालाना आर्थिक विकास दर में 1.5 फीसद और वृद्धि कर सकते हैं।"

चमोली के आपदा प्रभावित नंदानगर पहुंचे धामी, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

गोपेश्वर
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को चमोली जिले के आपदा प्रभावित क्षेत्र नंदानगर पहुंच कर नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावितों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने अधिकारियों को राहत एवं रेस्टोरेशन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश। मृतकों के परिजनों पांच-पांच लाख की सहायता के चैक भी दिए। सीएम धामी ने नंदानगर आपदाग्रस्त क्षेत्रो का निरीक्षण कर आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया और

प्रभावितों का हाल जाना। आपदा प्रभावित कुंतारी लगा फाली और कुंतारी लगा सरपाणी का स्थलीय निरीक्षण करने के साथ ही धुर्मा, मोख, कुंडी, बांसबारा और मोखमल्ला गांवों का हवाई सर्वेक्षण किया। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावितों से भेंट कर कहा कि आपदा की इस घड़ी में सरकार पूरी तरह से प्रभावितों की साथ खड़ी है। प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य संचालित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का विस्तृत आकलन करने को कहा। उन्होंने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख की सहायता राशि के चैक भी प्रदान किये। मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन-जीवन को जल्द सामान्य करने के लिए राहत एवं बुनियादी सुविधाओं की बहाली के कार्यों को पूरी क्षमता व तत्परता से संचालित करने में निरंतर जुटे रहें।

भरण-पोषण में असमर्थ पुरुष को नहीं है दूसरी शादी का हक: केरल हाईकोर्ट

तिरुवनंतपुरम
केरल हाईकोर्ट ने एक मामले में सुनावई के दौरान अहम और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि कोई भी मुस्लिम पुरुष, जब तक वह अपनी पत्नियों का भरण-पोषण करने में सक्षम न हो, तब तक उसे दूसरी या तीसरी शादी करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि यहां तक की मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत भी नहीं। यह टिप्पणी जस्टिस पीवी कुन्हीकृष्णन ने तब की जब एक 39 वर्षीय महिला ने अपने पति से ?10,000 मासिक गुजारा भत्ते की मांग करते हुए याचिका दायर की। मामले में महिला का आरोप था कि उसका 46 वर्षीय पति जो नेत्रहीन है और भीख मांगकर जीवनयापन करता है, उसे छोड़कर पहली पत्नी के साथ रह रहा है और अब तीसरी शादी करने की धमकी दे रहा है। इससे पहले फैमिली कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा था कि एक भिखारी से गुजारा भत्ता नहीं वसूला जा सकता।

ऑपरेशन सिंदूर से खौफ में आतंकी, पीओके से अपने ठिकाने हटा रहे जैश

लश्कर कमांडर ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी कैंप पूरी तरह तबाह

भारतीय हमलों के लिहाज से गुलाम जम्मू-कश्मीर को मानने लगे हैं असुरक्षित

नई दिल्ली
ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन ने अपने ठिकाने गुलाम जम्मू-कश्मीर से खैबर पख्तूनख्वा स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है।

खैबर पख्तूनख्वा अधिक सुरक्षित

यह फैसला इन संगठनों के महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है। अब वे गुलाम जम्मू-कश्मीर को भारतीय हमलों के लिहाज से असुरक्षित मानते हैं, जबकि अफगानिस्तान की सीमा से निकट होने के कारण खैबर पख्तूनख्वा अधिक सुरक्षित है। भारत ने आतंकवाद के ठिकानों को नष्ट कर दिया था ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने बहावलपुर, मुरीदके और मुजफ्फराबाद सहित कई अन्य स्थानों पर आतंकवाद के ठिकानों को नष्ट कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि ऐसा लगता है जैसे आतंकी संगठन पाकिस्तान की सरकारी संस्थाओं की पूरी जानकारी और प्रत्यक्ष मदद से अपने ठिकाने बदल रहे हैं। हाल ही में पाकिस्तान के कुछ स्थानों पर पुलिस सुरक्षा में जैश-ए-मोहम्मद की सभाएं आयोजित की गईं, जिसमें जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम जैसे राजनीतिक-धार्मिक संगठनों की परोक्ष भागीदारी रही। ये विवरण कई भारतीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए गए एक दस्तावेज का हिस्सा हैं।

जैश-ए-मोहम्मद ने चलाया था भर्ती अभियान
सूत्रों के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा के मनसेहरा जिले के गढ़ी हबीबुल्लाह में सबसे महत्वपूर्ण घटना सामने आई, जहां 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच शुरू होने से लगभग सात घंटे पहले जैश-ए-मोहम्मद ने सार्वजनिक भर्ती अभियान चलाया।

जैश के संस्थापक मौलाना मसूद अजहर का करीबी
यह कार्यक्रम जैश-ए-मोहम्मद और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम द्वारा आयोजित एक अभियान का हिस्सा था। इसमें इलियास कश्मीरी उर्फ अबू मोहम्मद भी मौजूद था। इलियास कश्मीरी भारत में वांछित है और वह जैश के संस्थापक मौलाना मसूद अजहर का करीबी है।

मोदी सरकार में समुद्री व अंतदेर्शीय जलमार्ग संपर्क में आया अभूतपूर्व परिवर्तन: सोनोवाल

भावनगर
केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने समुद्री और अंतदेर्शीय जलमार्ग संपर्क में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उन्होंने गुजरात के भावनगर में समुद्र से समृद्धि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर की बर्फ से ढके पहाड़ों से लेकर पूर्वोत्तर के हरे-भरे परिदृश्य तक, गुजरात के जीवंत तटों से लेकर अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप की सुदूर दृश्यों तक, देश का हर कोना जल आधारित परिवहन के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ रहा है। सोनोवाल ने कहा कि आज का दिन भारत के समुद्री क्षेत्र के लिए वास्तव में ऐतिहासिक है। समुद्र से समृद्धि कार्यक्रम में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ-साथ भारत को वैश्विक समुद्री महाशक्ति बनाने के संकल्प के साथ हम खड़े हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना से गूंज रहा है और साझा सपनों, साझा प्रयासों तथा विकास की साझा प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। पिछले ग्यारह वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने अनेक दूरदर्शी योजनाओं, साहसिक सुधारों, जनकेंद्रित कार्यक्रमों और परिवर्तनकारी नीतियों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा को नई दिशा प्रदान की है।

यह बायोगैस प्लांट न केवल गोबर और डेयरी अपशिष्ट के प्रबंधन का स्थायी समाधान देगा बल्कि हजारों गौशालाओं और डेयरियों की समस्याओं का हल भी बनेगा: रेखा

गोबर से अब हरित ऊर्जा बनेगी दिल्ली: रेखा गुप्ता

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर गायों को लेकर किए गए सवालों का जवाब दिया

गोबर और डेयरी अपशिष्ट के प्रबंधन का स्थायी समाधान देगा: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली
दिल्ली के लिए 200 टीडीपी क्षमता वाले पहले बायोगैस प्लांट का उद्घाटन नंगली डेयरी में शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर चल रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत दिल्ली को यह ऐतिहासिक सौगात मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बायोगैस प्लांट न केवल गोबर और डेयरी अपशिष्ट के प्रबंधन का स्थायी समाधान देगा बल्कि हजारों गौशालाओं और डेयरियों की समस्याओं का हल भी बनेगा।

पर्यावरण स्वच्छ होगा, यमुना का प्रदूषण घटेगा और किसानों और पशुपालकों को भी सहारा मिलेगा। यह पहल प्रधानमंत्री के हरित ऊर्जा अभियान को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली को स्वच्छ, आत्मनिर्भर और हरित राजधानी बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इस दौरान सांसद कमलजीत सहरावत, कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, महापौर राजा इकबाल सिंह, विधायक संदीप सेहरावत समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्लांट 2018 में शुरू होकर 2025 में जाकर पूरा हुआ। केंद्र सरकार ने इस बायोगैस प्लांट के लिए 2018 में धन आवंटित किया था, लेकिन तत्कालीन आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार इसे अपने कार्यकाल में पूरा ही नहीं करा पाई। तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हर बार काम न पूरा होने का आरोप केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी पर लगाते रहे और दिल्ली के अपने कार्यकाल में कुछ नहीं किया। पिछली सरकारों के दौरान जो गोबर लोगों की परेशानी का सबब बना रहा, उसे हमारी सरकार ने धन कमाने का माध्यम बना दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर दिन हजारों टन गोबर दिल्ली की नालियों और नालों पर बहकर जलजमाव और यमुना नदी को प्रदूषित करता रहा है।

आज इस बायोगैस प्लांट के शुरू होने से इस समस्या का समाधान हो गया। यह प्लांट यमुना को स्वच्छ करने में मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने आआपा नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर गायों को लेकर किए गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आआपा नेता मां, बच्चा और गाय सब पर राजनीति करते हैं।

दिल्ली के सभी जिलों में गौशाला बनाने के लिए काम शुरू कर दिया: रेखा

आआपा नेताओं से पूछा, आप की सरकार पिछले 11 सालों से दिल्ली में रही, तो आपने गायों को लेकर कुछ क्यों नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा, आज हमारी सरकार ने दिल्ली के सभी जिलों में गौशाला बनाने के लिए काम शुरू कर दिया है। बायोगैस प्लांट बनाए, सीवर लाइनों और नाली-नालों की व्यवस्था को दुरुस्त करने पर काम जारी है। दिल्ली की हर कॉलोनी में पीने का पानी पहुंचाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 15 साल कांग्रेस और 11 साल आआपा आकर चली गई और 27 सालों के शेष कामों को करने में थोड़ा समय लगेगा। दिल्ली की भाजपा सरकार जनता के आशीर्वाद से लगातार काम कर रही है।

योग भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत: रविंद्र इंद्राज

नई दिल्ली
दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज ने कहा कि योग भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत है। वे शनिवार को सेवा पखवाड़े के अंतर्गत डीपीएस पार्क सेक्टर-24 रोहिणी में आयोजित समरसता योग आयोजन को संबोधित कर रहे थे । इस दौरान मंत्री ने युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों और योग प्रशिक्षकों के साथ यहां सामूहिक योगाभ्यास भी किया।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया। आज 190 से अधिक देश हर वर्ष बड़े उत्साह के साथ योग दिवस मनाते हैं, जो भारत की परंपरा और प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि समग्र जीवन शैली है, जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करती है। साथ ही इसका अभ्यास तनाव कम करता है और लचीलापन बढ़ाता है। ध्यान और प्राणायाम से मानसिक शांति, एकाग्रता और सकारात्मकता आती है। योग से समाज में भाईचारे, अनुशासन और समरसता का वातावरण बनता है। मंत्री रविंद्र इंद्राज कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक प्रगति और सामाजिक सद्भाव का जो वातावरण बना है, उससे योग का संदेश और प्रभाव और भी व्यापक हुआ है। योग एक ऐसा सेतु है जो विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों को जोड़कर समरस समाज के निर्माण में मदद करता है।

एनएसयूआई की हार से कांग्रेस के लिए अभी दिल्ली दूर

नई दिल्ली
दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के नतीजों से संकेत मिला है कि राजधानी की राजनीति में कांग्रेस की वापसी की राह अभी लंबी है। एबीवीपी की प्रचंड जीत और एनएसयूआई की कमजोर मौजूदगी से कांग्रेस का मजबूत गढ़ मानी जाने वाली छात्र राजनीति उससे लगभग पूरी तरह छिन चुकी है। इस बार कांग्रेस का छात्र संगठन केवल उपाध्यक्ष पर पर ही जीत सका, जबकि गत वर्ष वह अध्यक्ष व संयुक्त सचिव पद जीतने में सफल हो गया था। डूसू में कभी निर्णायक भूमिका निभाने वाली एनएसयूआई लगातार हाशिये पर जा रही है। इस बार के चुनाव में भी वह छात्रों के बीच प्रभावशाली प्रदर्शन करने में नाकाम रही। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह केवल चुनावी नतीजे नहीं, बल्कि दिल्ली की जमीनी राजनीति का संकेत भी है। छात्र राजनीति से ही भविष्य के नेता तैयार होते हैं और कांग्रेस के लिए लोकसभा, विधानसभा व एमसीडी चुनाव के बाद इस मोर्चे पर लगातार पराजय चिंता का विषय है।

ऑपरेशन 'आघात' चलाकर अपराधियों पर कसी नकेल

ऑपरेशन आघात के दौरान अपराध वाले इलाकों में गश्त और निगरानी बढ़ाई गई

नई दिल्ली
दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ ऑपरेशन आघात चलाया है। यह अभियान शुक्रवार से शुरू हुआ और इसका नेतृत्व संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिणी रेंज) संजय जैन और दक्षिण पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने किया। जबकि सभी एसीपी, एसएचओ और स्टाफ ने मिलकर इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस उपायुक्त के अनुसार, अभियान का मकसद संगठित अपराध को जड़ से खत्म करना, इलाकों में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना, नागरिकों में सुरक्षा की भावना पैदा करना और आदतन व नए अपराधियों को अपराध से रोकना है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि ऑपरेशन आघात के दौरान अपराध वाले इलाकों में गश्त और निगरानी बढ़ाई गई। इसके साथ ही खुफिया तंत्र को सक्रिय कर अपराधियों की पहचान की गई। वहीं पूरे जिले में संगठित अपराध स्थलों पर एक साथ कार्रवाई की गई। इस अभियान में अन्य एजेंसियों को साथ में लिया गया। इसके अलावा जनता के बीच पहुंचकर विश्वास बहाली कार्यक्रम किया गया।

पुलिस की बड़ी कामयाबियां
हथियार तस्कर के मामले में 28 आरोपितों को गिरफ्तार कर 14 देशी कट्टे, एक पिस्टल, 24 कारतूस और 16 चाकू बरामद किये। वहीं शराब माफिया पर लगाम लगाते हुए 13 आरोपितों को पकड़ा गया और 6,338 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की। इसी क्रम में नशे के सौदागर की चेन को तोड़ते हुए नौ आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 5.985 किलो गांजा, 51 ग्राम हेरोइन, 54 ग्राम एमडीएमए और एक बाइक जब्त की। इसी के साथ जुआरियों पर शिकंजा कसते हुए 13 आरोपितों को दबोचा और 78,350 नकदी बरामद की। स्ट्रीट क्राइम में पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर तीन मोबाइल और दो बाइक बरामद की। इसके अलावा एनडीपीएस मामले में दो अपराधी पकड़े।

एमएलए ऑन व्हील्स रेखा सरकार आपके द्वार मोबाइल ऑफिस का किया शुभारंभ

नई दिल्ली
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को जनकपुरी के ओल्ड पंखा रोड से एमएलए ऑन व्हील्स रेखा सरकार आपके द्वार मोबाइल ऑफिस का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि दिल्ली में पहली बार ऐसा मोबाइल ऑफिस शुरू हुआ है जो विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में जाकर जनता की समस्याओं का समाधान उनके दरवाजे पर ही करेगा यानी सरकार आपके द्वार। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सेवा और समर्पण की भावना से प्रेरित यह पहल दिल्ली में जन-सेवा को और प्रभावी बनाने वाला कदम है।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद को इस अभिनव पहल के लिए बधाई दी। इस अवसर पर सांसद कमलजीत सहरावत सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

डूसू चुनाव में लग्जरी कारों के इस्तेमाल से हाईकोर्ट नाराज

जेसीबी के इस्तेमाल पर दिल्ली हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई

नई दिल्ली
डूसू चुनाव में प्रचार के दौरान बेंटले, रोल्स रॉयस और फेरारी जैसी महंगी लग्जरी कारों और यहां तक कि जेसीबी के इस्तेमाल पर दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नाराजगी जताई। हाईकोर्ट ने कहा, उम्मीदवारों और आयोजकों ने पिछले साल के न्यायिक आदेश से कोई सबक नहीं सीखा, जिसमें सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और उपद्रव के कारण चुनाव परिणाम रोक दिए गए थे। यह बेहद दुखद है, यह हालात पर एक दुखद टिप्पणी है, समाज के हमारे लोकतांत्रिक कामकाज पर एक दुखद टिप्पणी है, यहां के संस्थानों के लोकतांत्रिक कामकाज पर एक दुखद टिप्पणी है। छात्र संघ चुनावों में इस तरह के प्रचार से बुरा और क्या हो सकता है। जेसीबी, बड़ी और लग्जरी कारों, चार पहिया वाहनों का इस्तेमाल, उन्हें इतनी बड़ी कारें - बेंटले, रोल्स रॉयस और फेरारी - कहां से मिलती हैं? छात्रों को ये कैसे मिल रही हैं? चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा, हमने इन कारों के बारे में सुना भी नहीं है। सूत्रों के अनुसार, हाईकोर्ट ने नवनिर्वाचित डूसू अध्यक्ष आर्यन मान और उपाध्यक्ष राहुल झांसला को नोटिस जारी किया। इसके अलावा सचिव कुणाल चौधरी और संयुक्त सचिव दीपिका झा को भी नोटिस भेजा गया है।

हाईकोर्ट ने कहा, छात्र संघ के चुनाव-चाहे डीयू के हों या इसके अन्य संबद्ध महाविद्यालयों के एक वार्षिक कार्यक्रम बन गए हैं और जिस तरह से इन चुनावों ने वर्षों से आकार लिया है, वह प्रत्येक जिम्मेदार संस्थान व नागरिक के लिए चिंता का विषय है। ऐसा प्रतीत होता है कि छात्रों ने पिछले साल के आदेश से कोई सबक नहीं सीखा है... सबसे ज्यादा निराश तो हम छात्रों से हैं। इसने विश्वविद्यालय के साथ सहयोग के लिए पुलिस की भी सराहना की। 2024 में उम्मीदवारों व समर्थकों द्वारा किए गए विरूपण को देखते हुए, उच्च न्यायालय ने पोस्टर, होर्डिंग और भित्तिचित्रों सहित सभी विरूपण सामग्री को हटाए जाने और सार्वजनिक संपत्ति को बहाल किए जाने तक परिणामों पर रोक लगा दी।

'मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका संदिग्ध: सौरभ भारद्वाज बोले

नई दिल्ली
दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर चुनाव आयोग को निशाने पर लिया है। विधानसभा चुनावों में वोट चोरी को लेकर चुनाव आयोग पर हमला बोला है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि चुनाव आयोग अनियमितताओं को छुपा रहा है और मतदाताओं के नाम हटाए जाने की जानकारी छिपा रहा है। नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में वोट चोरी हुई है।

भाजपा युवा मोर्चा ने नशा मुक्ति अभियान के तहत दिल्ली में नमो युवा रन मैराथन का किया ऐलान

नई दिल्ली
दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की युवा मोर्चा रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नशा मुक्ति अभियान के तहत नमो युवा रन मैराथन का आयोजन करेगी। इस अवसर पर शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में नमो युवा रन के बैनर को औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया। यह मैराथन नशा मुक्ति, फिटनेस और आत्मनिर्भर भारत की थीम पर आधारित है। इसका उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या करेंगे। इस कार्यक्रम में नई दिल्ली से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज, पद्मश्री गोल्ड मेडलिस्ट एथलीट सुधा सिंह, दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष सागर त्यागी, युवा मोर्चा प्रभारी अभिषेक टंडन और युवा मोर्चा के मीडिया प्रमुख शुभम मलिक उपस्थित थे। गांधी की जयंती तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के तहत पूरे देश में युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए नमो युवा

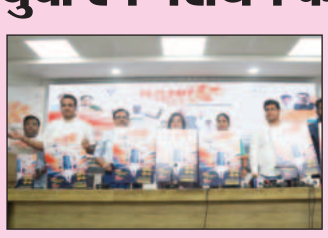

स्कूलों को बम धमकियों पर केजरीवाल ने सरकार पर बोला तीखा हमला

हर तरफ अफरा-तफरी हो जाती है, स्कूलों की छुट्टी होती है

नई दिल्ली
दिल्ली के स्कूलों को लगातार मिल रही बम धमकियों को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अभिभावकों, बच्चों और स्कूल प्रशासन में दहशत है। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि दिल्ली के स्कूलों को बार-बार बम धमकी मिल रही हैं। हर तरफ अफरा-तफरी हो जाती है, स्कूलों की छुट्टी होती है, बच्चों और अभिभावकों में डर फैलता है लेकिन एक साल से न कोई पकड़ा गया, न कोई कार्रवाई हुई। चार इंजन वाली सरकार राजधानी की सुरक्षा तक नहीं संभाल पा रही। माता-पिता रोज डर में जी रहे हैं। आखिर ये सब कब खत्म होगा? केजरीवाल ने चार इंजन वाली सरकार को कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता और उनके बच्चे असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, शनिवार को एक बार फिर दिल्ली के कई स्कूलों, जिनमें द्वारका का दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल और सर्वोदय विद्यालय शामिल हैं को बम से उड़ाने की धमकी भरे फोन कॉल और ई-मेल मिले।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है

नई दिल्ली
दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है।

यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी।

मजदूरी के आंकड़े चिंताजनक
गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था।

रोहिणी में एनकाउंटर, दो बदमाशों को लगी गोली, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली
दिल्ली के रोहिणी जिले के बुध विहार थाने के पुलिसकर्मियों और बदमाशों के बीच मुठभेड़ की खबर है। बुध विहार एसएचओ करुणा सागर की टीम ने मुठभेड़ के बाद तीन हथियारबंद बदमाशों को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को गोली लगी, जिससे कुल तीन बदमाश गिरफ्तार हो गए। दो बदमाश भागने में कामयाब रहे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार बदमाश गोगी गैंग से जुड़े हैं। मुठभेड़ में घायल दोनों बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली पुलिस और गोगी गैंग के सदस्यों के बीच गोलीबारी हुई। एनकाउंटर के बाद तीन बदमाश पकड़े गए हैं। पकड़े गए दो बदमाशों को गोली लगी है। घायलों के नाम इरफान और लालू हैं। तीसरे बदमाश का नाम नितेश है।

संपादकीय

राम-पथ पर दीपोत्सव

मध्य प्रदेश सरकार ने भगवान श्रीराम वनगमन पथ पर दीपोत्सव का निर्णय लिया है। दीपावली के पहले पथ वाले जिलों में द्वीप जलाए जाएंगे। दिन और स्थान का चयन जिले के जिलाधीश करेंगे। संस्कृति विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव रामपथ को विकसित कर रहे हैं। पथ स्थलों को धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा। मोहन यादव ने कुछ समय पूर्व चित्रकूट में अधिकारियों की एक बैठक संपन्न करके राम-पथ गमन बनाने का संकल्प लिया हुआ है। यादव का दावा है कि इससे चित्रकूट और अमरकंटक का चौतरफा विकास होगा। पर्यटन संस्कृति और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश करके रोजगार बढ़ाया जाएगा। लेकिन विडंबना रही कि इस पथ निर्माण और इस मार्ग पर आने वाले राम की स्मृति से जुड़े स्मारकों के जीर्णोद्धार का संकल्प पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी लिया था। उन्हें 17-18 साल मुख्यमंत्री बने रहने का समय भी मिला। इस बीच कई बैठकें हुईं, पथ के मानचित्र भी बने और बजट प्रावधान भी किए गए। लेकिन काम इतने लंबे कार्यकाल में नहीं हो पाया। अब देखना होगा कि मोहन यादव इस दिशा में कितना आगे बढ़ पाते हैं। जबकि मध्यप्रदेश से विभाजित छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र बघेल ने राम-पथ पर उल्लेखनीय काम करके जताया है कि राम कांग्रेस के भी भगवान हैं और समूचे छत्तीसगढ़ की जनता राम के प्रति अटूट आस्था रखती है।

2007 में शिवराज सिंह चौहान सरकार ने ह्यराम-वन-गमन-पथह्य विकसित करने की घोशणा की थी। साथ ही यह भी दावा किया था कि भगवान राम जिन स्थलों पर ठहरे थे अथवा आततायियों से युद्ध लड़ा था, उन स्थलों को भी रामायण-काल के अनुरूप आकार दिया जाएगा। जबकि कांग्रेस ने इस सिलसिले में बड़ी भूल तब कर दी थी, जब समुद्र में निर्माणधीन ह्यजल-डमरू-मध्य-मार्गह्य बनाने के परिप्रेक्ष्य में केंद्र की मनमोहन सिंह सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक षपथ-पत्र देकर भगवान राम को काल्पनिक घोशित करते हुए कह दिया था कि राम-सेतु मानव निर्मित नहीं है।

अर्से तक मुस्लिम तुश्टिकरण में लगी रही कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में नरम हिंदुत्व से जुड़े उन मुद्दों को कुरेदना षुरू कर दिया था, जो आम हिंदू की आस्था से जुड़े रहे हैं। बहुसंख्यक आबादी के धार्मिक हितों को यह साधने की कोशिश थी। संस्कृति विभाग ने 11 विद्वानों की एक समिति बनाकर ह्यराम-वन-गमन-पथह्य का मानचित्र भी बना लिया। इसके अनुसार भगवान राम ने सीता व लक्ष्मण के साथ चित्रकूट से वर्तमान मध्य-प्रदेश में प्रवेश किया था। तत्पश्चात अमरकंटक होते हुए वे रामेश्वरम् और फिर श्रीलंका पहुंचे थे। पौराणिक मान्यता और वाल्मीकि रामायण भी यही दशार्ते हैं। साथ ही यह भी मान्यता है कि 14 वर्ष के वनवास में भगवान राम ने लगभग 11 वर्ष 5 माह इन्हीं वनों में व्यतीत किए और वनवासियों को अपने पक्ष में संगठित किया। इस कालखंड में राम जिन मार्गों से गुजरे और जहां-जहां ठहरे, उनमें से ज्यदातर सतना, रीवा, पन्ना, छतरपुर, षडहोल और अनूपपुर जिलों में हैं। इस मानचित्र और प्रतिवेदन को तैयार करने में रामकथा साहित्य, पुरातत्व, भूगोल, हिंदी और भूगर्भ षास्त्र के विशयों से जुड़े करीब 29 विद्धानों की मदद ली गई। हालांकि साहित्य और जनश्रुतियों में ये सभी स्थान पहले से ही मौजूद थे। भगवान राम से जुड़े होने के कारण पूजा और पर्यटन से भी ये धार्मिक स्थल जुड़े थे। इस मार्ग के मानचित्र भी इतिहास की पुस्तकों में दर्ज हैं। फिलहाल मोहन यादव सरकार केवल चित्रकूट को प्राचीन स्वरूप देने की इच्छुक है। भगवान श्रीराम ने वनवास के कालखंड में सबसे ज्यादा समय यहीं व्यतीत किया था। इसका जीर्णोद्धार किया जाना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि एक तो यहां यात्रियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, दूसरे इस धार्मिक पर्यटन से स्थानीय लोगों को रोजगार और सरकार को मोटी आय भी होती है।

2001 में यहां पांच लाख लोग धर्म-लाभ लेने आए थे, जबकि यह संख्या 2023 में बढ़कर करीब 3 करोड़ हो गई। इस क्षेत्र में कामदगिरी पर्वत के दर्शन का बड़ा महत्व है। इसके साथ रामघाट, हनुमानधारा, भरत-मिलाप मंदिर, गुप्त गोदावरी और मंदाकिनी नदी का उद्गम स्थल प्रमुख हैं। यदि इस पूरे क्षेत्र में सुगम पथ, ठहरने व खान-पान और वाहनों के आवागमन व पार्किंग की उचित व्यवस्था हो जाती है तो यात्री संख्या में वृद्धि के साथ सरकार की आय में भी इजाफा होगा।

अब प्रदेश सरकार ने राम-पथ को चार भागों में बांटकर इसका विकास करने की रूपरेखा बनाई है। पहला मार्ग 168 किमी का होगा। इसमें सतना में सीता रसोई, अत्रि आश्रम, स्फटिक सिला, गुप्त गोदावरी, अश्वमुनि आश्रम, सुतीक्ष्ण आश्रम, सिद्धा पहाड़ व रामसेल तथा पन्ना का बृहस्पति कुंड होंगे। दूसरा मार्ग 428 किमी का होगा इसमें बृहस्पति कुंड, सुतीक्ष्ण आश्रम, अगस्त्य आश्रम, सतना में रामजानकी मंदिर, मार्कंडेय आश्रम, दशरथ घाट और षहडोल में सीतामढ़ी विकसित होंगे। तीसरा रास्ता 378 किमी लंबा होगा इसमें रामजानकी मंदिर से कटनी जिले में शिव मंदिर, जबलपुर में राम घाट,

राहुल गांधी का जेन-जेड दांव लोकतंत्र की रक्षा या पड़ोसी देशों जैसी आग का न्योता?

अजय कुमार

देश की सियासत में इन दिनों हंगामा बरपा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक ट्वीट ऐसा है, जिसने सबको चौंका दिया। 18 सितंबर 2025 को एक्स पर उन्होंने लिखा, देश के युवा, देश के छात्र, देश की जेनरेशन-जी संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट की चोरी रोकेगी। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूं। जय हिंद! यह कोई मामूली बात नहीं थी। इस ट्वीट में पड़ोसी मुल्क नेपाल के हाल के जेन-जी आंदोलन की छाया साफ दिख रही है, जहां नौजवानों ने सड़कों पर उतरकर सरकार को उखाड़ फेंका। सवाल उठ रहे हैं, क्या राहुल गांधी युवाओं को सड़कों पर बुलाने का इशारा दे रहे हैं? क्या वे चुनाव आयोग पर वोट चोरी का इल्जाम लगाकर आग भड़का रहे हैं? कांग्रेस का कहना है कि युवा उनकी ताकत हैं, वहीं भाजपा इसे नेपाल जैसी साजिश बता रही है। ऊपर से सैम पित्रोदा का पाकिस्तान को घर जैसा बताने वाला बयान ने नया बवाल खड़ा कर दिया। आखिर क्या है यह माजरा? क्या राहुल का जेन-जी दांव भारत में नेपाल जैसी आग लगाएगा या लोकतंत्र को और मजबूत करेगा?

नेपाल में सितंबर 2025 में जेन-जी आंदोलन ने तहलका मचा दिया। वहां की सरकार को जाना पड़ा। बात शुरू हुई 4 सितंबर से, जब नेपाल सरकार ने फेसबुक, एक्स, यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर पाबंदी लगा दी। वजह बताई गई कि ये कंपनियां नए नियमों में रजिस्टर नहीं हुई थीं। लेकिन यह फैसला 1995 से 2010 के बीच पैदा हुए जेन-जी युवाओं को बिल्कुल रास नहीं आया। उनके लिए सोशल मीडिया सिर्फ टाइमपास नहीं, बल्कि रोजगार, पढ़ाई और दुनिया से जुड़ने का जरिया है। रील्स बनाकर पैसे कमाने वाले, विदेश में बसे रिश्तेदारों से वीडियो कॉल करने वाले, ऑनलाइन बिजनेस चलाने वाले सब गुस्से में आ गए। शुरू में आंदोलन बैन के खिलाफ था, लेकिन जल्दी ही यह भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अमीर-गरीब की खाई के खिलाफ उग्र हो गया। काठमांडू से लेकर छोटे शहर तक सड़कों पर हजारों युवा उतर आए। सरकारी दफ्तरों, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास पर हमले हुए। कम से कम 51 लोग मारे गए, सैकड़ों जख्मी। सेना को सड़कों पर उतारना पड़ा। एक बड़े नेता ने कहा, सियासी दलों ने युवाओं की बात नहीं सुनी, इसलिए हिंसा भड़की। नतीजा? प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को कुर्सी छोड़नी पड़ी। अब नई सरकार की बात हो रही है, जिसमें कुछ नए चेहरों के नाम सामने आ रहे हैं। यह आंदोलन कुछ नौजवानों ने शुरू किया, जो सियासत से दूर थे। बाद में विपक्षी दलों ने इसे हवा दी। भारत पर भी इसका असर पड़ा। उत्तराखंड के सीमाई बाजारों में धंधा ठप है, क्योंकि नेपाली ग्राहक सड़कों पर हैं। नेपाल का यह बवाल भारत के लिए चेतावनी बन रहा है।

राहुल गांधी का ट्वीट इस माहौल में आया। उन्होंने नेपाल का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी बातों में वही जोश दिखा। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के बाद उनका वोट चोर, गद्दी छोड़ वाला नारा वायरल हो गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने चुनाव आयोग पर सीधा निशाना साधा। कर्नाटक में 6018 वोटरों के नाम कटने और महाराष्ट्र में 6180 वोटर जोड़े जाने का हवाला देकर वोट चोरी फैक्ट्री का इल्जाम लगाया। मुख्य चुनाव आयुक्त को वोट चोरों का सरगना तक कह डाला। आयोग ने सफाई दी कि यह रूटीन काम है, लेकिन राहुल नहीं रुके। उन्होंने कहा, मैं 100 फीसदी सबूतों के साथ बोल रहा हूं। मुझे अपने देश और संविधान से प्यार है।कांग्रेस का कहना है कि युवा उनकी ताकत हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहुल ने युवा न्याय की बात की थी। गुजरात दौरे पर फिटनेस पर जोर

दिया, जो युवा नजरिए को दिखाता है। लेकिन भाजपा इसे खतरनाक खेल बता रही। सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर तंज कसा, जेन-जी परिवारवाद के खिलाफ है। नेहरू, इंदिरा, राजीव, सोनिया के बाद राहुल को क्यों बर्दाश्त करेगा? भ्रष्टाचार से नफरत करता है, तो यूपीए के घोटाले कैसे भूलेगा? उनका पोस्ट वायरल हो गया। दुबे ने गृह मंत्रालय और ईडी से सैम पित्रोदा की फंडिंग और राहुल के विदेश दौरों की जांच की मांग की। बोले, कांग्रेस विदेशी ताकतों के साथ अराजकता फैलाना चाहती है। देश छोड़ने की तैयारी करो। कंगना रनौत ने कहा, नेपाल में जेन-जी ने परिवारवादी सरकार उखाड़ी। राहुल देश को शर्मिंदा करते हैं। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी बोले, कांग्रेस की पहचान परिवारवाद और घोटाले हैं। पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने तो हद कर दी, बोले, नेपाल जैसी क्रांति भारत में हुई तो राहुल-अखिलेश के घरों में आग लग जाएगी!

विपक्ष में शिवसेना के संजय राउत ने राहुल का साथ दिया, लेकिन चेताया, भारत में भी ऐसा हो सकता है, भाजपा तैयार रहे। जेडीयू के नीरज कुमार ने जवाब दिया, भारत न बांग्लादेश है, न नेपाल। यहां लोकतंत्र मजबूत है। गृह मंत्री अमित शाह बोले, चुनाव आयोग को बदनाम करना कांग्रेस की पुरानी चाल। अनुराग ठाकुर ने कहा, कांग्रेस लोकतंत्र कमजोर कर रही। प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के नेताओं से बात की और युवाओं को शांतिपूर्ण रास्ता अपनाने की सलाह दी।

इस बवाल में सैम पित्रोदा ने और आग में घी डाला। 19 सितंबर को उन्होंने कहा, पाकिस्तान गया, वहां घर जैसा लगा। बांग्लादेश, नेपाल में भी ऐसा ही। भाजपा ने इसे देशद्रोही बताया। शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखा, पित्रोदा को पाकिस्तान घर जैसा लगता है? 26/11 पर नरमी, पुलवामा में पाक का साथ कांग्रेस की सोच साफ! पित्रोदा ने राहुल के जेन-जी बयान का समर्थन किया, लेकिन उनके पुराने बयान याद आ गए 1984 दंगों पर हुआ तो हुआ, उत्तर-पूर्व को चीनी-अफ्रीकी कहना, विरासत टैक्स की बात। कांग्रेस ने खुद को अलग किया, लेकिन नुकसान हो चुका।19 सितंबर को दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन (ऊवरव) चुनाव में नौजवानों ने जवाब दे दिया। अभाविप ने जीत हासिल की, आर्यन मान अध्यक्ष बने। #अइश्ढ4ऊवरव ट्रेंड किया। पंजाब यूनिवर्सिटी में भी अभाविप जीती। लोग बोले, राहुल के बयान के अगले दिन जेन-जी ने भाजपा चुनी।

बिहार चुनाव से पहले यह बवाल बड़ा है। कांग्रेस कहती है, जेन-जी पढ़ाई, नौकरी, बराबरी चाहती है। राहुल बार-बार कहते हैं, लोकतंत्र और संविधान खतरे में हैं। उनकी बात अच्छी लगती है, लेकिन सवाल है क्या वे वोटिंग की बात कर रहे या सड़कों पर बवाल का इशारा दे रहे हैं? एक्स पर #श्ङ्गश्ीउँङ्ग१ऋूं३ङ्ग१८ ट्रेंड कर रहा, लेकिन मुंबई में #ढँङ्गल्ली17 की लाइन में जेन-जी रात 2 बजे से खड़ी है। एक यूजर ने तंज मारा, राहुल की बात सुनी, जागे, मगर⁄ढँङ्गल्ली लेने चले गए। कांग्रेस के जमाने में सिलेंडर की लाइन थी, आज ऐपल फोन की। केंद्र की स्किल इंडिया, विकसित भारत रोजगार योजना युवा-केंद्रित हैं। मोदी ने 2014 में गूगल हैंगआउट पर युवाओं से बात की थी।राहुल का बयान कांग्रेस के लिए दोधारी तलवार है। वे संविधान बचाने की बात करते हैं, लेकिन नेपाल का जिक्र सड़क आंदोलन का संकेत देता है। भारत का लोकतंत्र वोट से चलता है, आग से नहीं। श्रीलंका की तबाही, बांग्लादेश का बवाल, नेपाल का दर्द क्या राहुल भारत को उसी रास्ते ले जाना चाहते हैं? या जागरूकता फैला रहे? पित्रोदा का बयान दिखाता है, कांग्रेस पड़ोसियों से नरम, भारत से सख्त। लेकिन ऊवरव ने साफ कर दिया जेन-जी तरक्की चाहती है, बवाल नहीं। राहुल जी, नौजवानों को वोट की ताकत सिखाइए। आपके परिवार ने इसी सिस्टम से सत्ता पाई। बिहार चुनाव बताएंगे, जेन-जी राहुल के साथ है या तरक्की के रास्ते पर। लोकतंत्र बचेगा, अगर युवा वोट से बदलाव लाएं। आग से नहीं।

मोदी-ट्रंप के सार्थक संवाद से क्या राह बदलेगी?

नई दिल्ली में भारत-अमेरिकी व्यापार वार्ता की बाधाओं को दूर करने पर दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक बातचीत के दौरान करीब तीन महीने बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन कर-के जन्मदिन की बधाई देते हुए रूस-यूक्रेन युद्धविराम का समर्थन करने के लिए आभार जताना, दोनों देशों के बीच रिश्तों में आई तल्खी को कम करने की कोशिश मानी जानी चाहिए। मोदी और ट्रंप के बीच हुई इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों में नई आशा और सकारात्मकता का संचार किया है। क्योंकि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद भारत ने संयम बरता एवं तीखी प्रतिक्रिया की बजाय मसले के सुलझने का इंतजार करते हुए विवेक एवं समझदारी का परिचय दिया। भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में जरूरी हो गया है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। इसी बात को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने

स्वीकार करते हुए यह उम्मीद जताई थी कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, यही मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। मोदी एवं ट्रंप का ताजा संवाद इसी की निष्पत्ति बना है। यह संवाद मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर हुआ और इसमें अतीत की कई कड़वाहटों को पीछे छोड़कर भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। दरअसल, दोनों नेताओं की बातचीत का बड़ा कारण शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में रूस, चीन और भारत के शीर्ष नेताओं की गर्मजोशी भी बना, उससे ट्रंप की चिंताएं बढ़ी थी, इस बैठक के बाद ही पहली बार ट्रंप के रुख में नरमी के संकेत मिले थे। उसके बाद दस सितंबर को फिर ट्रंप ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वाताओं की बाधाओं को दूर करने पर बातचीत जारी है। ताजा वार्ता ने यह संदेश दिया कि भारत और अमेरिका के रिश्ते किसी एक घटना या परिस्थिति पर निर्भर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन रणनीति और साझा हितों की नींव पर खड़े हैं।

आज की दुनिया में भारत और अमेरिका का रिश्ता केवल द्विपक्षीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य को भी प्रभावित करता है। अमेरिका जहां विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति है, वहीं भारत उभरती हुई आर्थिक ताकत और सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दोनों की साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और वैश्विक शांति की आकांक्षाओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में कभी-कभी मतभेद जरूर सामने आए-जैसे व्यापार शुल्क, वीजा नीतियां, भारत-पाक सीजफायर और रक्षा समझौते इन मतभेदों के बावजूद रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती रही है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। कभी शुल्क वृद्धि को लेकर तनाव हुआ, तो कभी आयात-निर्यात की नीतियों को लेकर असहमति। किंतु ट्रंप-मोदी वार्ता के बाद एक बार फिर नए समझौते और अवसर सामने आ सकते हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और आईटी, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और तकनीकी निवेश में दोनों के बीच गहरा सहयोग है। प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापारिक अड़चनों को दूर करने पर जोर दिया है और ट्रंप ने भी व्यापार घाटे को कम करने के लिए सहयोग का संकेत दिया। यह संकेत आने वाले समय में द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

भारत और अमेरिका का रक्षा सहयोग पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने भारत को महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक उपलब्ध कराई है और संयुक्त सैन्य अभ्यासों से सुरक्षा साझेदारी मजबूत हुई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत-अमेरिका का रक्षा सहयोग न केवल द्विपक्षीय है, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन के लिए अहम है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को

युवाओं में बढ़ रही आंखों की ये बीमारियां, एक्सपर्ट से जानें कारण और बचाव

आज के समय में युवाओं में आंखों से जुड़ी बीमारियों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं. यह चिंता का विषय है क्योंकि आंखों की समस्याएं पहले बड़े उम्र वाले लोगों में देखी जाती थीं, अब ये कहीं कम उम्र में सामने आ रही हैं. कई रिसर्च यह बताती कि भारत में हर पांच में से एक बच्चा किसी न किसी आंखों की समस्या से जूझ रहा है. तेजी से बदलती लाइफस्टाइल और डिजिटल डिवाइज पर बढ़ती निर्भरता ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है. अगर यही स्थिति जारी रही तो आने वाले वर्षों में आंखों की बीमारियां देश के लिए एक बड़ा स्वास्थ्य संकट बन सकती हैं. यही कारण है कि इस विषय पर समय रहते कदम उठाना बेहद जरूरी हो गया है.आंखों की बीमारियों के पीछे सबसे बड़ा कारण युवाओं में बढ़ता स्क्रीन टाइम है. आज स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट न केवल शिक्षा बल्कि मनोरंजन और सोशल मीडिया का भी मुख्य साधन बन चुके हैं. ऑनलाइन पढ़ाई, वेब सीरीज और वीडियो गेम्स ने बच्चों और युवाओं का स्क्रीन पर बिताया समय कई गुना बढ़ा दिया है. इसके अलावा, बाहर खेलने की आदतें लगातार कम हो रही हैं, जिससे आंखों को प्राकृतिक रोशनी और आराम का मौका नहीं मिल पाता है. लगातार स्क्रीन पर देखते रहने से आंखों की मांसपेशियां थक जाती हैं और डिजिटल आई स्ट्रेन की समस्या तेजी से बढ़ती है. नींद पूरी न होना, खराब खानपान और आंखों की सही देखभाल न करना भी इस समस्या को गंभीर बना देता है.

आंखों की किन बीमारियों का बढ़ रहा खतरा?

शार्प साईट आई हॉस्पिटल्स में मेडिकल डायरेक्टर डॉ. कमल बी कपूर बताते हैं कि युवाओं में आंखों से जुड़ी जिन बीमारियों का खतरा सबसे अधिक बढ़ रहा है, उनमें डिजिटल आई स्ट्रेन, आंखों का सूखापन, सिरदर्द, आंखों की लाली और धुंधला दिखाई देना विशेष हैं. पहले जिन समस्याओं का सामना लोग 35 से 40 वर्ष की उम्र के बाद करते थे, अब वे बच्चों और कॉलेज जाने वाले छात्रों में आम होती जा रही हैं. मायोपिया यानी नजदीक का चश्मा भी तेजी से बढ़ रहा है और कई बच्चे कम उम्र में ही चश्मा लगाने के लिए मजबूर हो रहे हैं.

सबसे अधिक खतरा उन बच्चों और युवाओं को है जो लंबे समय तक लगातार स्क्रीन पर देखते रहते हैं और जिनकी लाइफस्टाइल में फिजिकल एक्टिविटी की कमी होती है।

युद्ध-आतंक के दौर में शांति के लिये भारत की पुकार

ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस, जिसे प्रतिवर्ष 21 सितंबर को मनाया जाता है, आज के समय की सबसे बड़ी मानवीय आवश्यकता की याद दिलाता है। जब पूरी दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंकवाद, जलवायु संकट और असमानताओं के दौर से गुजर रही हो, तब शांति का महत्व केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार बन जाता है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने मानव सभ्यता को केवल विनाश ही दिया है। दो विश्वयुद्धों में करोड़ों लोगों की जान गई, असंख्य परिवार उजड़ गए और सभ्यता के सपनों पर गहरी चोट लगी। आज भी यूक्रेन से लेकर सीरिया, अफगानिस्तान और अफ्रीका तक की धरती पर संघर्ष और आतंकवाद की आग धधक रही है। निर्दोष नागरिक, महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक पीड़ा झेल रहे हैं। शरणार्थियों की भीड़, विस्थापितों के आँसू और टूटे हुए घर-परिवार इस बात का सबूत हैं कि युद्ध और आतंकवाद किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि और बड़ी समस्या पैदा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना ही इसी उद्देश्य से हुई थी कि विश्व में शांति और सहयोग कायम हो। इसी क्रम में 1981 में महासभा ने 21 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस घोषित किया, ताकि पूरी दुनिया को यह याद दिलाया जा सके कि युद्धविराम, संवाद और अहिंसा ही मानव सभ्यता की रक्षा कर सकते हैं। इस दिन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में शांति की घंटी बजाई जाती है, जो यह प्रतीक है कि जब तक धरती पर शांति नहीं होगी, तब तक जीवन सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज विज्ञान और तकनीक ने मानव को अभूतपूर्व शक्ति और संसाधन दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही भय, हिंसा, तनाव और असुरक्षा भी बढ़ी है। परमाणु हथियारों की दौड़ ने धरती को विनाश के कगार पर ला खड़ा किया है। आर्थिक असमानताएँ और संसाधनों की होड़ युद्धों और संघर्षों को जन्म दे रही हैं। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट नए विवादों एवं संकटों को जन्म दे रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में अंतर्राष्ट्रीय शांतिदवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि एक चेतावनी और आान है। यह हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम हिंसा और युद्ध की संस्कृति से ऊपर उठकर शांति, संवाद और सहयोग की संस्कृति को स्थापित कर सकते हैं, क्या हम धर्म, जाति और राजनीति की संकीर्णताओं से निकलकर एक वैश्विक परिवार के रूप में जी सकते हैं, क्या हम शिक्षा, करुणा और अहिंसा को अपने जीवन और समाज का आधार बना सकते हैं। विश्व शांति की दिशा में भारत का योगदान हमेशा से उल्लेखनीय रहा है और वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार वसुधैव कुटुंबकम् और एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का संदेश देकर मानवता को एक साझा परिवार के रूप में देखने की दृष्टि दी है। संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे वैश्विक मंचों पर मोदी ने संवाद, कूटनीति, अहिंसा और सहअस्तित्व को संघर्ष और युद्ध से बेहतर विकल्प बताया है। भारत के नेतृत्व में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान शांति और सतत विकास के एजेंडे को प्राथमिकता दी गई।

दोहा पर किया हमला बढ़ायेगा इजरायल की मुसीबतें

जैसे-जैसे इजरायल गजा के खिलाफ अपने जमीनी हमलों को तेज कर रहा है, संकेत हैं कि नेतन्याहू सरकार को 9 सितंबर, 2025 को दोहा में हमास कार्यालय पर हमला करना भारी पड़ रहा है। यूनाइटेड किंगडम (यूके) के स्वास्थ्य सचिव वेस स्ट्रीटिंग ने 9 सितंबर को चेतावनी दी कि 'गजा युद्ध से निपटने के लिए नेतन्याहू सरकार इजरायल को अछूत बनाने की स्थिति में ले जा रहा है।' यह बयान ब्रिटिश यहूदी समुदाय के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए इजरायल के राष्ट्रपति हजोर्ग की ब्रिटेन यात्रा की पूर्व संध्या पर था। हजोर्ग के कार्यालय ने आरोप लगाया था कि 'ब्रिटिश यहूदी समुदाय गंभीर हमले और यहूदी विरोधी भावना की लहर का सामना कर रहा है।' हालांकि स्ट्रीटिंग ने जोर देकर कहा कि हजोर्ग को 'इजराइल की सरकार पर लगाए जा रहे युद्ध अपराधों, जातीय सफाए और नरसंहार के आरोपों का जवाब देने की जरूरत है।' एक इजरायली वामपंथी पत्रिका '972 पत्रिका' ने दिसंबर 2014 में एक सर्वेक्षण में कहा कि 70 प्रतिशत से अधिक इजरायली अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बारे में चिंतित थे। हाल ही में पत्रिका 'विदेश नीति' ने कहा था कि विदेशी व्यापार और निवेश पर बहुत अधिक निर्भर रहने वाला इजरायल हमेशा पश्चिमी लोकतंत्रों का हिस्सा बनना चाहता है क्योंकि ईरान और रूस के विपरीत उसके पास 'प्रतिबंधों और वैश्विक अस्वीकृति के साथ आर्थिक, सैन्य और मनोवैज्ञानिक रूप से सामना करने' के लिए कम लचीलापन है। गौरतलब है कि 8 सितंबर को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने 10, डाउनिंग स्ट्रीट पर फिलिस्तीनी प्राधिकरण के राष्ट्रपति महमूद अब्बास की मेजबानी की थी। बताया जाता है कि 'यदि इजरायल अपना रास्ता नहीं बदलता तो प्रधानमंत्री ने इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा से पहले फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने का वादा किया है'। स्पेन, आयरलैंड और नॉर्वे पहले ही मान्यता की घोषणा कर चुके हैं जबकि फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने में 140 से अधिक अन्य देशों सहित बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, पुर्तगाल, कनाडा तथा माल्टा ने ब्रिटेन और फ्रांस का साथ देने की योजना बनाई है। 'लॉस एंजिल्स टाइम्स' ने 11 सितंबर के अंक में लिखा है खाड़ी राज्यों में अमेरिकी विश्वसनीयता पहली बार आहत हुई जब इजरायल ने 9 तारीख को दोहा में हमास के कार्यालय पर हमला किया। इन राज्यों ने सोचा था कि उनकी सुरक्षा' उनके अरबों पेट्रोडॉलर और समझौतों के साथ सुनिश्चित की गई थी जिसने अमेरिका को अपनी कुछ सबसे बड़ी सैन्य सुविधाओं के साथ मध्य पूर्व में घेराबंदी करने की अनुमति दी'। यह विशेष रूप से अविश्वसनीय था कि अपने अस्तित्व के लिए मुख्य रूप से अमेरिका पर निर्भर रहने वाला इजरायल, इस क्षेत्र में सबसे बड़े अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठान अल उदीद एयर बेस की मेजबानी करने वाले कतर पर हमला कर सकता है। यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भी व्यक्तिगत अपमान था क्योंकि उन्होंने इस साल मई में 1200 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिका-कतर आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर करते समय इस समझौते को 'ऐतिहासिक' बताया था। नतीजा यह हुआ कि अमेरिका हमले की निंदा करने में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के अन्य सदस्यों के साथ शामिल हो गया। यह एक अभूतपूर्व कदम था क्योंकि अमेरिका हमेशा इजरायल विरोधी प्रस्तावों को वीटो करता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी ने आरोप लगाया कि इजरायली सरकार का नेतृत्व 'क्रूर चरमपंथियों द्वारा किया जा रहा है।'

फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने से हमास अलग-थलग पड़ जाएगा: मैक्रों

एजेंसी
पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ज़ोर देकर कहा है कि फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने से चरमपंथी संगठन हमास अलग-थलग पड़ जाएगा। हालांकि उन्होंने गाज़ा पर इज़राइली हमलों की निंदा की बात दोहराई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मैक्रों ने गुरुवार को यहां एक इज़राइली टेलीविज़न चैनल के साथ साक्षात्कार में यह बात कही। मैक्रों ने कहा, फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता देना इस चरमपंथी समूह को कमज़ोर करने का सबसे अच्छा तरीका है। एक फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता देना बस हमें यही कहने का निर्णय लेना है। फ़िलिस्तीनी लोगों के वैध दृष्टिकोण और आज वे जो कुछ भी झेल रहे हैं उसका हमास से कोई लेना-देना नहीं है। गौरतलब है कि फ्रांस और ब्रिटेन उन कई पश्चिमी देशों में शामिल हैं जिन्होंने इस महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में औपचारिक रूप से एक फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने की प्रतिबद्धता जताई है। इन देशो की योजना का उद्देश्य हमास को दरकिनार करना और दशकों से चल रहे अरब-इज़राइली संघर्ष के लिए दो-राज्य समाधान की अनुमति देना है। हालांकि यह एक ऐसा प्रस्ताव है जिसका इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विरोध कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र में बलोचिस्तान की बड़ी कूटनीतिक जीत

न्यूयार्क। बलोचिस्तान गणराज्य ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बलोच आंदोलन को धार्मिक अतिवाद से जोड़ने के चीन और पाकिस्तान के प्रयास को विफल करने के लिए फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन को धन्यवाद दिया है। बलोचिस्तान के प्रमुख राजनीतिक संगठन फ्री बलोच मूवमेंट के प्रमुख कार्यकतार्ता मीर यार बलोच के शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि छह करोड़ धर्मनिरपेक्ष, देशभक्त बलोच लोग संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान और चीन के संयुक्त प्रयास को रोकने के लिए अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन की सरकारों को धन्यवाद देते हैं। इस प्रयास के तहत बलोच स्वतंत्रता आंदोलन को धार्मिक अतिवाद से जोड़ने की कोशिश की गई थी। उन्होंने लिखा कि संयुक्त राष्ट्र के इन तीन प्रभावशाली सदस्यों द्वारा बलोच आंदोलन की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति को मान्यता देना, बलोचिस्तान में लाखों लोगों के बलिदान की स्वीकृति और क्षेत्र के स्वतंत्रता समर्थक नेतृत्व के लिए एक कूटनीतिक जीत है जबकि चीन और पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा झटका और कूटनीतिक शर्मिंदगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कम्युनिस्ट चीन और धार्मिक उग्रवाद एव आतंकवादियों के संरक्षक पाकिस्तान ने जानबूझकर बलोचिस्तान के वास्तविक, प्रगतिशील स्वतंत्रता आंदोलन को धार्मिक रंग देने की कोशिश की है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में बलूच स्वतंत्रता सेनानियों को अल-कायदा और आईएसआईएस से जोड़ने का प्रयास किया। उनके इस प्रयास की पूरी दुनिया को निंदा करनी चाहिए।

अफगानिस्तान के विश्वविद्यालयों में महिलाओं की लिखी किताबों पर प्रतिबंध

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार ने इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने के बाद अब देश के विश्वविद्यालयों से महिलाओं की लिखी पुस्तकों को भी हटा दिया है। साथ ही नए प्रतिबंधों के तहत मानवाधिकार और यौन उत्पीड़न के खिलाफ शिक्षण को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विश्वविद्यालयों को यह भी बताया गया कि उन्हें अब 18 विषयों को पढ़ाने की अनुमति नहीं है। एक तालिबान अधिकारी ने कहा कि ये विषय शरिया के सिद्धांतों और व्यवस्था की नीति के विपरीत हैं। अधिकारी के मुताबिक सरकार ने सेफ्टी इन द केमिकल लैबोरेटरी शीर्षक वाली पुस्तक समेत महिलाओं द्वारा लिखी गई लगभग 140 पुस्तकों पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस प्रकार सरकार ने कुल 680 पुस्तकों को यह कहते हुए प्रतिबंधित कर दिया है कि ये शरिया विरोधी और तालिबान नीतियों के कारण चिंताजनक दिखाई पड़ती हैं।गौरतलब है कि इसी सप्ताह तालिबान के सर्वोच्च नेता के आदेश पर कम से कम 10 प्रांतों में फाइबर-ऑप्टिक इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि यह कदम अनैतिकता को रोकने के लिए उठाया गया था।

नेपाल में निर्वाचित राष्ट्रपति प्रणाली रोक सकती थी हाल ही में हुआ जेन जी आंदोलन : प्रचंड

काठमांडू। माओवादी पार्टी के अध्यक्ष पुष्प कमल दाहाल प्रचंड ने कहा है कि अगर देश में निर्वाचित राष्ट्रपति प्रणाली होती, तो हाल ही में हुए जेन जी आंदोलन को रोका जा सकता था। संविधान दिवस पर पार्टी हेडक्वार्टर में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रचंड ने याद किया कि वर्तमान स्थिति इसलिए उत्पन्न हुई, क्योंकि 2015 में संविधान का मसौदा तैयार किए जाने पर प्रत्यक्ष निर्वाचित कार्यपालिका की व्यवस्था नहीं की जा सकी थी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्थिरता के लिए प्रत्यक्ष निर्वाचित राष्ट्रपति की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि संविधान जारी करते समय इस विषय पर कोई आम सहमति नहीं बन पाना दुर्भाग्य था। प्रचण्ड ने दावा किया कि अगर उस समय प्रत्यक्ष निर्वाचित शासन प्रणाली पर समझौता होता, तो जेन जी आंदोलन नहीं होता। उन्होंने कहा कि इस तरह के बड़े पैमाने पर नुकसान से बचा जा सकता था। जेन जी आंदोलन के बाद ध्वस्त हो चुके अपने पार्टी हेडक्वार्टर में प्रचंड ने अपने समर्थको और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि उनकी सक्रियता के कारण ही संविधान को बचाया जा सका है।

विश्व शांति के लिए मैंने सात युद्ध रोके, इतना किसी ने नहीं किया : ट्रंप

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका मुख्य लक्ष्य 'विश्व शांति' को बढ़ावा देना है। ट्रंप ने कहा कि विश्व शांति के लिए उनसे बेहतर काम किसी ने नहीं किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले आठ महीने के कार्यकाल में सात युद्ध सुलझाने का दावा किया है।

'द व्हाइट हाउस' से जारी एक वीडियो के हवाले से बताया गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हम रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और मैंने इस बारे में बात की है और मुझे विश्वास है कि वह भी इसे पूरा होते देखना चाहेंगे। मुझे लगता है कि वह हमारी मदद करने के लिए हमारे साथ काम करेंगे। ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपने संबंधों के बावजूद यूक्रेन में संघर्ष को रोकना 'सबसे कठिन' था। पिछले कुछ महीनों में हमने जो किया, वह किसी ने नहीं किया। हमने सात युद्ध रोके। हालांकि ट्रंप ने यह भी कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में उन्हें लगा था कि वह शायद सबसे

आसान होगा, लेकिन वह सबसे कठिन साबित हुआ। संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक 22 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र स्थापना की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शुरू होगी। बैठक के एजेंडे के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'विश्व शांति'। ट्रंप ने कहा, 'विश्व शांति के लिए मैंने सात युद्ध रोके।' उन्होंने इसका श्रेय अपनी नीतियों को दिया और कहा कि इनमें ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर हवाई हमले शामिल नहीं हैं, जिन्हें अमेरिका ने पूरी तरह से नष्ट कर दिया था। ट्रंप ने इन हमलों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि उन्होंने कुछ और बम मंगवाए थे, जिसमें बी-2 बमवर्षक से दागे गए बम भी शामिल थे। उनका कहना है कि हर एक बम अपने लक्ष्य पर लगा। इसके अलावा, उन्होंने एक पनडुब्बी से 30 बम दागने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि, हालांकि मैं इन सब चीजों को शामिल नहीं कर रहा हूं, लेकिन इससे शायद एक भयावह युद्ध टल गया था। उन्होंने अपनी कूटनीतिक उपलब्धियों और रूस-यूक्रेन के बीच समझौते के लिए जारी अपने प्रयासों के बारे में भी बताया।उन्होंने कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने युद्ध समाप्त करने के प्रयासों का समर्थन किया है। हम रूस-यूक्रेन विवाद को सुलझाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग ने टेलीफोन पर बात की थी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, रूस-यूक्रेन संघर्ष और टिकटॉक सौदे की मंजूरी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी बताया कि दोनों नेता अगले महीने दक्षिण कोरिया में होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान मिलने पर सहमत हुए हैं। यह सम्मेलन 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को होगा।

बगराम एयरबेस दोबारा अमेरिका को नहीं देंगे : तालिबान

एजेंसी
काबुल। अफ़ग़ानिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान को एक सिरे से ठुकरा दिया है, जिसमें उन्होंने सेना के जरिए काबुल के नजदीक स्थित बगराम एयरबेस पर दोबारा कब्ज़ा करने की मंशा जताई थी। तालिबानी विदेश मंत्रालय के अधिकारी ज़ाकिर जलाल ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उनका देश बातचीत के लिए तैयार है लेकिन अमेरिका को इस देश में अपनी सैन्य उपस्थिति फिर से स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गौरतलब है कि ट्रंप ने गुरुवार को ब्रिटेन की यात्रा के दौरान कहा था कि उनका प्रशासन तालिबान से बगराम स्थित एयर बेस को वापस लेने के लिए दबाव बना रहा है क्योंकि यह चीन के परमाणु हथियारों के निर्माणस्थल से केवल एक घंटे की दूरी पर स्थित है। ट्रंप ने घोषणा की हम इसे वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने शिकायत भरे लहजे में कहा, हमने इसे [तालिबान] को बिना किसी कीमत के दे दिया। उन्होंने कहा हमअफगानिस्तानछोड़नेवालेथेलेकिनताकतऔरगरिमाकेसाथ। हम बगराम को रखने वाले थे लेकिन पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे बिना किसी शर्त के तालिबान को सौंप दिया हालांकि तालिबान अधिकारियों ने उनकी इस मंशा को एक सिरे से खारिज कर दिया है। जलाल ने कहा, अफ़ग़ानिस्तान और अमेरिका को एक-दूसरे के साथ बातचीत करने की ज़रूरत है, लेकिन यह अमेरिका द्वारा अफ़ग़ानिस्तान के किसी भी हिस्से में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखने के बगैर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान आपसी सम्मान और साझा हितों के आधार पर अमेरिका के साथ राजनीतिक और आर्थिक संबंध बनाने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में भारतीय विमानों के लिए 23 अक्टूबर तक प्रतिबंध

एजेंसी
इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र सभी भारतीय स्वामित्व वाली या भारतीय संचालित एयरलाइंस के लिए 23 अक्टूबर तक प्रतिबंधित रहेगा। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण के जारी नए नोटम (नोटिस टू एयरमैन) के अनुसार, यह प्रतिबंध भारतीय वाणिज्यिक एयरलाइंस, भारत में पंजीकृत विमानों और सैन्य उड़ानों को पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकता है। द न्यूज अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद दक्षिण एशिया के दो परमाणु संपन्न देशों के बीच तनाव अब भी बरकरार है। पहलगाम हमले के बाद भारत के जवाबी उपाय से पाकिस्तान पानी की दुहाई दे रहा है। भारत के सिंधु जल संधि के निलंबित करने व अन्य जवाबी उपायों को पाकिस्तान दुनिया के सामने उठा चुका है। पाकिस्तान ने पहलगाम हमले के बाद बढ़े द्विपक्षीय तनाव के बीच नई दिल्ली के महत्वपूर्ण सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद जैसे को तैसा कदम उठाते हुए भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना

हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। पाकिस्तान के इस फैसले के बाद भारत ने भी 30 अप्रैल को पाकिस्तानी एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। बाद में पाकिस्तान ने शुरुआती प्रतिबंध को 23 मई को एक और महीने के लिए बढ़ाया। अब इसे अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया है। पाकिस्तान का आरोप है कि भारत ने 6-7 मई को बिना किसी उकसावे के मुल्क के शहरों पर हमले किए। पाकिस्तान का दावा है कि इस पर उसने ऑपरेशन बनयान-उम-मार्सूस शुरू कर भारत को नुकसान पहुंचाया। नई दिल्ली ने दावा किया था कि ये हमले आतंकवादी ठिकानों पर लक्षित थे।

अमेरिका का एच1-बी वीजा हासिल करना हुआ महंगा, देने होंगे एक लाख डॉलर

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के एच1-बी वीजा के लिए आवेदन करने के लिए अब शुल्क बढ़ गया है। अब इसके लिए 100,000 (एक लाख) अमेरिकी डॉलर देने होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने देररात इस संबंध में कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कदम का अमेरिका में वर्क वीजा पर काम कर रहे भारतीय कर्मचारियों पर गहरा असर पड़ सकता है।

सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, कार्यकारी आदेश में नया वीजा आवेदन शुल्क जोड़ा गया है। इसके अनुसार एच-1बी कर्मचारियों को 100,000 डॉलर का भुगतान किए बिना अमेरिका में प्रवेश नहीं मिलेगा।ट्रंप ने कहा, हम अपने देश में ऐसे लोगों को रख पाएंगे जो बहुत उत्पादक होंगे, और कई मामलों में ये कंपनियां इसके लिए अधिक धन देंगी। वे इससे बहुत खुश हैं। इस अतिरिक्त शुल्क का असर अमेजन, आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियों सहित नियोक्ताओं पर पड़ेगा। यह कंपनियां विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस वीजा पर निर्भर हैं। इससे पहले एच-1बी वीजा के लिए लगभग 1,700 डॉलर से लेकर 4,500 डॉलर देने होते थे। आमतौर पर, इस शुल्क को नियोक्ता के लिए व्यावसायिक व्यय माना जाता है। यह नया शुल्क एच-1बी वीजा पर चल रही बहस के बीच आया है, जिसके बारे में कुछ आलोचकों का कहना है कि यह कंपनियों को अमेरिकी कर्मचारियों की तुलना में कम वेतन पर विदेशी आवेदकों को नियुक्त करने में सक्षम बनाता है। आलोचकों का कहना है कि कुछ नियोक्ता उच्च कौशल आवश्यकताओं वाले वरिष्ठ पदों के बजाय प्रवेश स्तर की भूमिकाओं के लिए भी एच-1बी वीजा प्रदान करते हैं। तकनीकी कंपनियां इस वीजा कार्यक्रम की प्रमुख लाभार्थी रही हैं। श्रम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में किसी भी कंपनी की तुलना में अमेजन को सबसे अधिक एच1बी वीजा प्राप्त हुए। इस वर्ष, यह ऑनलाइन रिटेलर 10,000 से अधिक वीजा प्राप्त करने वालों में अग्रणी बना हुआ है। इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल और गूगल का स्थान आता है। व्हाइट हाउस के एक सहयोगी ने कहा, इससे यह सुनिश्चित होगा कि वे जिन लोगों को ला रहे हैं, वे वास्तव में अत्यधिक कुशल हैं और अमेरिकी कर्मचारियों द्वारा उनकी जगह नहीं ली जा सकती। इसलिए यह अमेरिकी कर्मचारियों की रक्षा करेगा, लेकिन यह भी सुनिश्चित करेगा कि कंपनियों के पास वास्तव में असाधारण लोगों को नियुक्त करने और उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका लाने का एक रास्ता हो। नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी के कार्यकारी निदेशक स्टुअर्ट एंडरसन ने कहा कि यदि यह योजना अमेरिकी कंपनियों को विदेशों में नौकरियां स्थानांतरित करने के लिए प्रोत्साहित करती है, विशेष रूप से अनुसंधान और विकास जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में, तो यह योजना उलटी पड़ सकती है।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डोगर के खिलाफ पांच जजों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

एजेंसी
इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के पांच जज अभूतपूर्व कदम उठाते हुए व्यक्तिगत रूप से उच्चतम न्यायालय पहुंचे। सभी ने अलग-अलग संवैधानिक याचिका दायर की। पांचों ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सरदार मोहम्मद सरफराज डोगर के कई प्रशासनिक कदमों को चुनौती दी है। याचिका दायर करने वाले न्यायाधीशों में मोहसिन अख्तर कयानी, बाबर सत्तार, तारिक महमूद जहांगीरी, सरदार एजाज इशाक खान और समन रफत इम्तियाज शामिल हैं। इन्होंने 11 मांग की हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह याचिकाएं संविधान के अनुच्छेद 184(3) के तहत दायर की गई हैं। न्यायमूर्ति जहांगीरी को न्यायिक कार्य से रोकने वाले उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करने की मांग प्रमुख है। 16 सितंबर को मुख्य न्यायाधीश डोगर और न्यायमूर्ति

मोहम्मद आजम खान की खंडपीठ ने न्यायमूर्ति जहांगीरी पर संदिग्ध एलएलबी डिग्री रखने का आरोप लगाते हुए एक क्वो वारंटो याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोक दिया था। साथ ही खंडपीठ ने पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल (एजीपी) मंसूर अवान से भी इस प्रश्न पर सहायता मांगी कि क्या याचिका विचारणीय है। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता बैरिस्टर जफरुल्लाह खान और अश्तर अली औसाफ को न्यायमित्र भी नियुक्त किया। पीठ ने कहा कि जब तक सर्वोच्च न्यायिक परिषद और न्यायाधीशों का जवाबदेही मंच इस मामले का फैसला नहीं कर लेता, तब तक न्यायाधीश जहांगीरी मामलों को नहीं देख सकते।इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को केवल संविधान के अनुच्छेद 209 के तहत ही न्यायिक कर्तव्यों के निर्वहन से रोका जा सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि किसी न्यायाधीश को पद से हटाने की मांग करने वाली क्वो-वारंटो याचिका संविधान के अनुच्छेद 199(1) के साथ अनुच्छेद 209(7) के अनुसार विचारणीय नहीं है। अपनी याचिका में न्यायमूर्ति जहांगीरी ने 16 सितंबर के आदेश को अनुच्छेद 10-ए के तहत अपने मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। सूत्रों ने बताया कि न्यायाधीश की याचिका को डायरी संख्या 23409 दी गई है और वह उच्चतम न्यायालय में स्वयं अपना पक्ष रख सकते हैं।

जेन जी प्रदर्शन की आड़ में भागे 13 हजार कैदियों में 8 हजार से अधिक कैदी अभी भी फरार

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में 8 और 9 सितंबर को हुए जेन जी प्रदर्शन की आड़ में जेल से भागे 13 हजार से अधिक कैदियों में से अभी भी 8 हजार से अधिक कैदी फरार हैं। जेल प्रबंधन विभाग के अनुसार, 8 और 9 सितंबर को जेन जी प्रदर्शन की आड़ में जेल ब्रेक की बड़ी घटना हुई थी। नेपाल के 27 जेल के कैदी जेल तोड़कर फरार हो जाने की जानकारी दी गई है। जेल प्रशासन के मुताबिक 27 जेलों और 9 बाल सुधार गृहों से कुल 13,591 कैदी के फरार हो गए थे। जेल प्रशासन ने बयान जारी कर बताया है कि इनमें से अभी भी 8,816 कैदी फरार हैं। जेल प्रशासन विभाग के महानिदेशक चोमेन्द्र न्यौपाने ने कहा कि कुल 29,212 कैदियों में से 13,591 कैदी भागने में कामयाब रहे। इसी तरह, बाल सुधार गृह में रहे 1,422 में से 964 विचाराधीन बाल कैदी भाग गए हैं।

सामूहिक जेलब्रेक से प्रभावित जेलों में झुमका, सोलुखुम्बू, सप्तरी, महोत्तरी, रौतहट, सिंधुली, नक्खु, जगन्नाथदेवल, डिल्ली बाजार, रसुवा, चितवन, तनहुँ, कास्की, पर्वत, कपिलवस्तु, तुलसीपुर, नौबस्ती, रुकुम पूर्व, जुमला, बझांग, कैलाली, दार्चुला, बैतडी, डडेलधुरा और कंचनपुर जेल शामिल हैं।

इसी तरह मोरंग, पर्सा, भक्तपुर, मकवानपुर, कास्की, रूपंदेही, जयाडौं, नौबस्ता और डोटी में रहे बाल सुधार गृहों से भी विचाराधीन बाल कैदियों के भागने की सूचना मिली। न्यौपाने ने कहा कि अब तक 5,495 कैदी और 244 बाल कैदी वापस आ चुके हैं या उन्हें फिर से पकड़ लिया गया है। जेल विभाग के बयान में कहा गया कि शेष 8,816 भगोड़ों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों ने अमेरिका में हनीवेल इंटरनेशनल कंपनी पर मुकदमा दायर किया

एजेंसी
वाशिंगटन (अमेरिका)। भारत के गुजरात के अहमदाबाद में इस साल हुए एयर इंडिया विमान (बोइंग 787) हादसे में जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों ने अमेरिका में विमान निर्माता और आपूर्तिकर्ता हनीवेल इंटरनेशनल कंपनी पर मुकदमा दायर किया है। यह हादसा 12 जून को हुआ था। एयर इंडिया के अनुसार विमान में सवार 242 यात्रियों में से 241 की मौत हो गई थी, जबकि एक ब्रिटिश नागरिक बच गया।मूममु गदो स्विच दुर्घटना की जांच के केंद्र में रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि 12 जून को हुई इस घातक विमान दुर्घटना के बाद से यह संयुक्त राज्य अमेरिका में दायर किया गया पहला मुकदमा है। एयर इंडिया 787 से जुड़ी इस दुर्घटना की अभी भी जांच चल रही है, लेकिन भारत के नागरिक

उड्डयन प्राधिकरण की एक प्रारंभिक रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि इंजन को ईंधन की आपूर्ति करने वाले महत्वपूर्ण स्विच उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद रन स्थिति से कटऑफ स्थिति में आ गए थे। कुछ ही क्षण बाद स्विच को वापस चालू कर दिया गया, लेकिन इंजन फिर से चालू नहीं हो पाए और विमान पास के एक मेडिकल हॉस्टल से टकरा गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 और जमीन पर 19 लोगों की मौत हो गई। यह स्पष्ट नहीं है कि इंजन के ईंधन स्विच कैसे और क्यों हिले। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से मिले डेटा से पता चला कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने स्विच क्यों हिलाए, जिससे इंजनों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो और जांच में सहायता कर रहे अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने जांच के दौरान अटकलों के प्रति आगाह किया है। पायलट यूनियनों ने भी विमान उड़ाने वालों को दोष देने के प्रति आगाह किया है।

जेन जी प्रदर्शन का असर : यूएई ने नेपाली क्रिकेट टीम का वीजा रोका, नेपाली नागरिकों के सभी वीजा निलंबित

एजेंसी
काठमांडू। 27 सितंबर से शारजाह में वेस्टइंडीज के साथ खेले जाने वाले यूनिटी कप के मैच में सहभागी होने के लिए नेपाली राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को संयुक्त अरब अमीरात (यू ए ई) ने वीजा देने से इनकार कर दिया है। रवाना होने वाली टीम यूएई दूतावास की तरफ से वीजा नहीं दिए जाने के कारण यात्रा नहीं कर सकी। ये देरी संयुक्त अरब अमीरात द्वारा नेपाली नागरिकों के लिए यात्रा वीजा के हालिया अस्थायी निलंबन के कारण हुआ है। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल (सी. ए. एन.) ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समिति (आईसीसी) के समक्ष गुहार लगायी है। सी. ए. एन. के अधिकारियों ने कहा कि वे संबंधित अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि वीजा जल्द ही जारी किए जाएंगे, संभवतः अगले एक या दो दिनों के भीतर। जैसे ही वीजा प्रक्रिया पूरी हो

जाएगी, टीम संयुक्त अरब अमीरात के लिए रवाना होगी। नेपाल में हुए जेन जी प्रदर्शन के बाद से ही यू ए ई ने नेपाली नागरिकों को दी जाने वाली सभी प्रकार के वीजा को तत्काल के लिए निलंबित कर दिया है। यूएई के फैसले ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की वेस्टइंडीज के साथ द्विपक्षीय मुकाबले पर संशय का बादल छा गया है। नेपाल क्रिकेट संघ (सी. ए. एन.) स्थिति को हल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। संघ के सचिव पारस खड़का ने बताया कि वो यू ए ई के दूतावास से लगातार संपर्क में हैं और उन्हें खिलाड़ियों को वीजा देने के लिए कूटनीतिक तरीके से डबल बना रहे हैं। खड़का ने बताया कि आईसीसी से भी इस मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया गया है।

नेपाल आने वाले भारतीय नागरिकों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी

एजेंसी
काठमांडू। काठमांडू में भारतीय दूतावास ने नेपाल आने वाले भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपनी यात्रा के दौरान सावधानी बरतें। भारतीय दूतावास की तरफ से जारी ट्रैवल एडवाइजरी में दूतावास ने कहा है कि नेपाल में स्थिति में काफी सुधार हुआ है, लेकिन भारतीय नागरिकों को नेपाल आने पर पूरी सतर्कता बरतने की सलाह दी जाती है। दूतावास के अनुसार, सड़क परिवहन और हवाई सेवा दोनों ने नियमित संचालन फिर से शुरू कर दिया है, लेकिन फिर भी यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों से काठमांडू में भारतीय दूतावास, बीरगंज स्थित महावाणिज्य दूतावास सहित पोखरा और धरान में रहे भारतीय सेना के कैंप दफ्तर द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अपडेट और सलाह का पालन करने का अनुरोध किया गया है। दूतावास ने यह भी सूचित किया कि वर्तमान में नेपाल में भारतीय नागरिक आवश्यकता पड़ने पर मिशन द्वारा प्रदान किए गए संपर्क चैनलों के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए दूतावास ने दो नंबर जारी किए हैं जिस पर वाट्स एप के जरिए भी संपर्क किया जा सकता है।

अमेरिकी दबाव में यूरोपीय संघ ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों का प्रस्ताव रखा

एजेंसी
ब्रुसेल्स । यूरोपीय आयोग ने रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का अपना 19वां पैकेज यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया है। यह पैकेज, अमेरिका की दखलअंदाजी और उसके बढ़ते दबाव के कारण एक सप्ताह की देरी के बाद पेश किया गया है।

यूरोपीय आयोग की मुख्य प्रवक्ता पाउला पिन्हो ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को ब्रुसेल्स में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम पुष्टि करते हैं कि आयोग ने रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के एक नए पैकेज यानी 19वें पैकेज का प्रस्ताव रखा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि नया पैकेज रूसी बैंकों, क्रिप्टो परिसंपत्तियों और ऊर्जा आयात÷ को टारगेट करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूरोप की लगभग 19 प्रतिशत गैस आपूर्ति अभी भी तुर्कस्ट्रीम पाइपलाइन और लिक्विफाइड नेचुरल (एलएनजी) शिपमेंट के माध्यम से रूस से आ रही है, इसलिए यूरोपीय संघ नए प्रतिबंधों के हिस्से के रूप में रूसी एलएनजी पर प्रतिबंध लगाने में तेजी लाने पर भी विचार कर रहा है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताहांत में, ट्रंप ने यूरोपीय सहयोगियों से रूसी तेल की शेष खरीद को रोकने का आह्वान किया है, और यह भी सुझाव दिया है कि समूह सात और नाटो के सदस्य रूस के ऊर्जा निर्यात को सुविधाजनक बनाने वाले देशों पर शुल्क लगाएं। उनका दावा है कि रूस की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के लिए ऐसे कदम आवश्यक हैं। उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा, आयोग रूसी जीवाश्म ईंधन आयात को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का भी प्रस्ताव रखेगा। रूसी जीवाश्म ईंधनों को चरणबद्ध तरीके से 1 जनवरी, 2028 तक समाप्त करने की योजना है। नए यूरोपीय संघ प्रतिबंध पैकेज को मूल रूप से पिछले सदस्य देशों के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद थी। हालांकि, यूरोपीय संघ की एक उच्च-स्तरीय टीम की वाशिंगटन यात्रा और समन्वय के प्रयासों के कारण इसमें एक सप्ताह की देरी हो गई। यूरोपीय संघ के अधिकारियों ने कहा कि ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव या आपूर्ति की कमी से बचने के लिए प्रतिबंधों को सावधानीपूर्वक चरणबद्ध तरीके से अमल में लाया जाएगा। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष क्रिस्टोफ ह्युसगेन ने यूरोपीय संघ से हंगरी और स्लोवाकिया पर रूसी ऊर्जा पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए दबाव बढ़ाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि हंगरी अभी भी अपना लगभग 60 प्रतिशत तेल रूस से आयात करता है, जबकि स्लोवाकिया अपनी लगभग 75 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों के लिए रूस पर निर्भर है। यूक्रेन ने 19वें प्रतिबंध पैकेज को शीघ्र अपनाने का आग्रह किया है। यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने इस हफ्ते की शुरुआत में एक्स पोस्ट में कहा था कि रूस को संघर्ष के लिए संसाधनों से वंचित करने के लिए ÷अटलांटिक के पार समन्वित कदम÷ जरूरी हैं। उन्होंने कहा, अब ध्यान 19वें पैकेज को और भी सख्त बनाने पर होना चाहिए। इस बीच, रूस ने लंबित प्रतिबंधों के असर को कम करके आंका है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि वाशिंगटन और ब्रुसेल्स की ओर से नियमित रूप से दी जा रही धमकियों का कोई असर नहीं होगा और इससे कुछ भी नहीं बदलेगा।उन्होंने रूसी ऊर्जा को छोड़ने के यूरोपीय संघ के प्रयास की भी आलोचना की, इसे आत्मघाती बताते हुए चेतावनी दी कि ब्रुसेल्स खुद को थका रहा है।

सैम पित्रोदा के बयान पर भाजपा ने कहा- कांग्रेस की नीति और नीयत देशविरोधी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के बयान ने एक बार फिर से सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। पित्रोदा ने इस बार केंद्र सरकार को पड़ोसी देशों के साथ बातचीत को प्राथमिकता देने की नसीहत दी। इस दौरान उन्होंने कह दिया कि वह पाकिस्तान गए हैं और उन्हें वहां घर जैसा लगता है। सैम के इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस की नीति और नीयत देशप्रेम नहीं, बल्कि आतंकी पाकिस्तान प्रेम है। भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी के खास आदमी सैम पित्रोदा कहते हैं कि उन्हें पाकिस्तान में घर जैसा लगा। कोई हैरानी नहीं कि 26/11 के बाद भी तत्कालीन कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। सैम पाकिस्तान का पसंदीदा, कांग्रेस का चहेता है। भंडारी ने कहा कि हम सब और देश के 140 करोड़ देशवासी जानते हैं कि पहलगाम आतंकी हमला पाकिस्तान ने कराया था। इस हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने पूछा कि क्या कोई देशभक्त व्यक्ति ये कह सकता है कि आतंकी मुल्क पाकिस्तान उसके लिए घर जैसा है, लेकिन कांग्रेस चुप है।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला : वाहनों का पंजीकरण अब 20 साल तक मान्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पुराने वाहनों के पंजीकरण से जुड़ा बड़ा निर्णय लिया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सेंट्रल मोटर व्हीकल्स (थर्ड अमेंडमेंट) रूल्स, 2025 अधिसूचित करते हुए अब पुराने वाहनों के पंजीकरण की सीमा 15 साल से बढ़ाकर 20 साल कर दी है। यह आदेश 20 अगस्त 2025 से लागू होंगे। नए नियमों के तहत अब वाहन मालिकों को 20 साल पूरे होने के बाद ही फिटनेस सर्टिफिकेट के लिए नवीनीकरण कराना होगा। पहले यह अनिवार्यता 15 साल के बाद लागू होती थी। इसके साथ ही, 20 साल से अधिक पुराने वाहनों का पंजीकरण नवीनीकरण कराने पर विभिन्न श्रेणियों के लिए अलग-अलग शुल्क तय किया गया है। मोटरसाइकिल के लिए 2000 रुपये, तीन पहिया/क्वाड्रिसाइकिल के लिए 5000 रुपये, हल्के वाहनों के लिए 10,000 रुपये और अन्य बड़े वाहनों के लिए 12,000 रुपये तक का शुल्क निर्धारित किया गया है। सरकार का कहना है कि यह कदम वाहन मालिकों को राहत देने और पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

'सेवा पखवाड़े' में शुरू होगी डीटीसी की दिल्ली-बड़ौत अंतरराज्यीय एसी बस सेवा : पंकज कुमार सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने बताया कि सेवा पखवाड़े के दौरान दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) राजधानी के महाराणा प्रताप अंतरराज्यीय बस अड्डे को उत्तर प्रदेश के बड़ौत से जोड़ने वाली एक नई एसी बस सेवा शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि इस नई सेवा से दिल्ली और यूपी के बस यात्रियों और छात्रों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और बस से दैनिक यात्रा करने वाले लोगों के विकल्पों में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि यह नई एसी बस सेवा दिल्ली के महाराणा प्रताप आईएसबीटी से शुरू होकर खजूरी खास, भजनपुरा, लोनी बस स्टैंड, यूपी बॉर्डर, लोनी, मंडोला, खेकरा, काठा, बागपत, गौरीपुर, सरूरपुर और ट्योढ़ी से होते हुए बड़ौत तक पहुंचेगी। ठीक इसी तरह बड़ौत से दिल्ली आने वाली एसी बसें ट्योढ़ी, सरूरपुर, गौरीपुर, बागपत, काठा, खेकरा, मंडोला, लोनी, लोनी बस स्टैंड/यूपी बॉर्डर, भजनपुरा और खजूरी खास से होते हुए महाराणा प्रताप आईएसबीटी तक आएंगी। मंत्री पंकज कुमार सिंह ने बताया कि दिल्ली-बड़ौत एसी बस सेवाएं रोजाना सुबह 4 बजकर 50 मिनट, 5 बजकर 20 मिनट और 5 बजकर 50 मिनट पर शुरू होकर दिल्ली से बड़ौत तक जाएंगी। तो वहीं, यूपी के बड़ौत बस डिपो से दिल्ली की तरफ सुबह 7:00 बजे, 7 बजकर 30 मिनट और 8:00 बजे बसें रवाना होंगी। खासकर शाम के समय बस कनेक्टिविटी और ज्यादा मजबूत होगी।

विदेशी नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के साइबर थाना पुलिस ने विदेशों में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन दिन तक उप्र के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर गिरोह के दो आरोपितों सहदेव सिंह और उसके साथी नीरज को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई बुराड़ी निवासी शिकायतकर्ता धर्मेंद्र की शिकायत पर हुई। जिनसे ऑस्ट्रेलिया में नौकरी और वीजा दिलाने के नाम पर 3.12 लाख रुपये ठगे गए थे। उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपितों ने पीड़ित को सबसे पहले वियतनाम का वीजा दिलवाया और फिर ऑस्ट्रेलियाई वीजा के नाम पर रकम ऐंठी। जब पीड़ित ने पैसे भेज दिए तो उसे ब्लॉक कर दिया गया। मामले की जांच के लिए एसआई अरविंद यादव को लगाया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी जांच और 50 से अधिक मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल जांची। लगातार निगरानी के बाद पुलिस ने उप्र के एटा से मुख्य आरोपित सहदेव सिंह (37) और उसके साथी नीरज (37) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सहदेव सिंह 10वीं पास है और पिछले दो वर्षों से फर्जी विदेशी नौकरी के नाम पर ठगी का कारोबार चला रहा था। वह व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए लोगों को जोड़ता और अलग-अलग नामों जैसे मयंक पांडे, राहुल कुमार और अजय यादव बनकर बात करता था।

लोकतंत्र की जीवंतता के लिए संसद में बहस जरुरीः किरेन रिजिजू

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद में व्यवधान और शोर भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर संसद में बहस और व्यवधान नहीं होंगे तो और कहां होंगे जीवंत लोकतंत्र के लिए गरमागरम बहसें आवश्यक हैं, लेकिन शारीरिक अवरोध महत्त्वपूर्ण विधेयकों के पारित होने में रुकावट डालते हैं और संसद की उत्पादकता घटाते हैं। रिजिजू इंटरनेशनल आंबेडकर सेंटर में फिक्की लेडीज़ ऑर्गनाइजेशन(एफएलओ) द्वारा आयोजित फ्यूचर फ्रंटियर्स कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हाल ही में संपन्न मानसून सत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकसभा की उत्पादकता 31 प्रतिशत और राज्यसभा की 39 प्रतिशत रही तथा कुल 15 विधेयक पारित किए गए। रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार

हमेशा महिला-नेतृत्व वाले विकास की दिशा में काम कर रही है, क्योंकि महिलाओं का सशक्तिकरण ही समाज के सशक्तिकरण की कुंजी है। कार्यक्रम में अंतरिक्ष यात्री और भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने युवाओं और महिलाओं को जिज्ञासु और नवाचारशील बने रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए अंतरिक्ष अनुसंधान का ÷स्वर्णिम समय÷ है। अपने मिशन के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने सामूहिक प्रयास, समावेशिता और बड़े सपने देखने की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष मिशन के दौरान उन्होंने भारत के भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए सामूहिक प्रयास और बड़े सपने देखने के महत्व को सीखा। समावेशिता और अवसर की भावना, कभी हार न मानने और अन्वेषण व नवाचार की भावना को अपनाने का महत्व, युवाओं को यह विश्वास दिलाता है कि वे भी अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं और अंतरिक्ष में भारत के उज्ज्वल भविष्य में योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर फिक्की एफएलओ की अध्यक्ष पूनम शर्मा ने संगठन के कार्यों का विवरण देते हुए बताया कि एफएलओ ग्रामीण महिलाओं के कौशल विकास, आजीविका संवर्द्धन, वित्तीय साक्षरता से लेकर उद्यमियों के मार्गदर्शन, स्टार्ट-अप और एमएसएमई को प्रोत्साहन तथा नीति स्तर पर लैंगिक समानता की पैरवी तक हर क्षेत्र में सक्रिय है।

सैम पित्रोदा का पाकिस्तान को 'घर जैसा' बताना शहीदों का अपमान : तरूण चुग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुग ने कांग्रेस नेता और राहुल गांधी के करीबी सहयोगी सैम पित्रोदा के पाकिस्तान-समर्थक बयान की कड़ी निंदा की है। चुग ने कहा कि पित्रोदा का ÷पाकिस्तान में घर जैसा महसूस हुआ÷ कहना करोड़ों भारतीयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला और हमारे शहीदों के बलिदान का खुला अपमान है। चुग ने कहा कि पाकिस्तान वह देश है जिसने भारत पर कई युद्ध थोपे, आतंकवाद को बढ़ावा दिया और 26/11 मुंबई हमला, उरी, पठानकोट और पुलवामा जैसे हमलों के ज़रिए निर्दोष भारतीयों की जान ली। ऐसे देश को घर जैसा बताना केवल कांग्रेस की पाकिस्तान-परस्त मानसिकता को उजागर करता है। राहुल गांधी पर हमल बोलते हुए चुग ने कहा कि जब उनके सबसे करीबी सलाहकार और राजनितिक गुरु सैम पित्रोदा पाकिस्तान को लेकर इस तरह की सोच रखते हैं तो यह साफ हो जाता है कि राहुल गांधी और कांग्रेस की नीति भारत विरोधी ताकतों को खुश करने की है। राहुल गांधी की चुप्पी ही इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है कि कांग्रेस की सोच और नीति पाकिस्तान के पक्ष में झुकी हुई है। चुग ने कहा कि ये वही सैम पित्रोदा हैं , जिन्होंने 1984 के कांग्रेस जनित सिख कत्तालोगारत को कहा था हुआ तो हुआ, ऐसे अहंकारी और सिख-हिन्दू विरोधी नेता कांग्रेस पार्टी के शीर्ष दरबारी और राहुल गांधी के प्रधान सलाहकारों में हैं, ये स्पष्ट करता है कि कांग्रेस नेतृत्व की मानसिकता कितनी संकीर्ण है। चुग ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश और सुरक्षा नीति पूरी तरह 'ज़ीरो टॉलरेंस टू टेररिज़्म' पर आधारित है।

आयुर्वेद मानव स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कल्याण के लिए एक स्थायी वैश्विक समाधान हैः प्रतापराव जाधव

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कल्याण के लिए आयुर्वेद एक स्थायी, एकीकृत समाधान के रूप में अग्रसर है और आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित प्रेसवार्ता में 10 वें आयुर्वेद दिवस कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि भारत सरकार ने 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस के लिए निश्चित वार्षिक तिथि के रूप में अधिसूचित करके एक ऐतिहासिक कदम उठाया है, जिससे इसे एक सार्वभौमिक कैलेंडर पहचान मिली है। उन्होंने आगे कहा कि इस वर्ष का विषय– 'लोगों और विश्व के लिए आयुर्वेद' है। प्रतापराव जाधव ने कहा कि गोवा स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में मनाया जाने वाले कार्यक्रम में आयुर्वेद के सभी आयमों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने एक समग्र, साक्ष्य-आधारित और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में आयुर्वेद की क्षमता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भारत दोनों में आयुर्वेद की व्यापक स्वीकृति पर जोर दिया, जहां आज भी यह उपचार की सबसे अधिक प्रचलित प्रणाली बनी हुई है। आयुष मंत्रालय के कई जन-केंद्रित पहलों की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में छात्रों के लिए ÷स्वास्थ्य की ओर

केवल एक चिकित्सा विज्ञान से कहीं अधिक है- यह एक जीवन शैली है जो व्यक्तियों को उनके पर्यावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में मदद करती है। आयुष पर पहले अखिल भारतीय एनएसएसओ सर्वेक्षण का उल्लेख करते हुए प्रतापराव जाधव ने ग्रामीण और शहरी छोटे कदम', झूठे विज्ञापनों का मुकाबला करने के लिए बनाई गई रणनीति, मोटापे के लिए आयुर्वेद आहार' जैसे जागरूकता अभियान पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ 'कैंसर देखभाल का एकीकरण', 'आयुर्वेद का डिजिटल परिवर्तन' और 'संहिता से पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

राहुल गांधी हार के हिस्ट्रीशीटर कहलाएंगेः मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बार-बार जनता के जनादेश का अपमान कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा, 'एक भ्रष्ट लॉबी जनादेश को बार-बार अपमानित करने की कोशिश कर रही है। यह हाल आगे जारी रहा तो, फिर से उनका सूपड़ा साफ होगा। उनकी हार की हैट्रिक बन चुकी है, और आगे वे हार के हिस्ट्रीशीटर कहलाएंगे। बातचीत में भाजपा नेता ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जेन-जी वाले पोस्ट पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा निर्मित हाइड्रोजन बम का शो पूरी तरह विफल और हवा-हवाई साबित हुआ है। राहुल गांधी जनादेश को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इससे कोई लाभ नहीं होने वाला है। बल्कि वे अपनी कुंठा में कैद होकर बुरी तरह असफल होंगे। बता दें कि राहुल गांधी ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा कि देश के युवा, देश के छात्र और जेन-जी संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूं। जय हिंद।

सैम पित्रोदा के बयान पर तंज कसते हुए भाजपा नेता ने कहा कि गुरु नंबरी, चेला दस नंबरी है, और यह स्पष्ट है कि वे किसके गुरु हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके ठगने की चाल को देश की जनता बार-बार नकार रही है और उनके प्रयासों को धूमिल कर रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव में एबीवीपी की जीत को भाजपा नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि देश का मूड और माहौल हर जगह दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो देश का मूड और माहौल है, वह हर जगह पर दिखाई दे रहा है। चाहे छात्र संघ का चुनाव हो या फिर लोकसभा या फिर दूसरे चुनाव हो। हर तरफ लोगों का विश्वास दिखाई दे रहा है, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव का परिणाम इसका सटीक उदाहरण है। यह परिणाम दिखाता है कि युवाओं का विश्वास किस ओर है।

विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा पुस्तकालय में प्रधानमंत्री मोदी को समर्पित पुस्तक गैलरी का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा पुस्तकालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को समर्पित 'अपने प्रधानमंत्री को जानें' पुस्तक गैलरी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और अन्य विधायक भी उपस्थित रहे। उद्घाटन के दौरान स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह एक व्यापक पहल है, जो एक छत के नीचे और एक पुस्तकालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरक जीवन और उनके अद्भुत शासनकाल को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह गैलरी विभिन्न प्रकार की पुस्तकों को एक साथ लाता है- जो या तो स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा लिखी गई हैं या उनके जीवन, शासन और विकसित भारत के उनके संकल्प पर आधारित हैं।

गुप्ता ने दिल्लीवासियों से आग्रह किया कि यदि उनके पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कोई पुस्तक है, तो उसे दिल्ली विधानसभा के पुस्तक गैलरी में जोड़ा जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि इस गैलरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन, दृष्टि और शासन को दर्शाने वाली कई महत्वपूर्ण पुस्तकें शामिल हैं। प्रमुख कृतियों में संग्रह में शामिल प्रमुख पुस्तकें हैं एक्ज़ाम वारियर्स, इग्नाइटिंग कलेक्टिव गुडनेस- मन की बात @100, मोदी @20, द इमरजेंसी डायरीज, 370: डूइंग द अनजस्ट,अंबेडकर एंड मोदी, ज्योतिपुंज, कन्वीनियंट एक्शन, साक्षी भाव, लेटर्स टू मदर-नरेन्द्र मोदी, सामाजिक समरसता, पॉवर विदिन, नरेन्द्र मोदी– ए पॉलिटिकल बायोग्राफी, द मोदी इफेक्ट– नरेन्द्र मोदी की अभियान यात्रा भारत को बदलने की, पीएम स्पीचेस, रिफॉर्म नेशन, प्रोटेक्टिंग अ नेशन, इंडिया की टकेड, लेटर्स टू सेल्फ इंडियन रेनैसां- द मोदी डिकेड, और द आर्किटेक्ट ऑफ न्यू बीजेपी शामिल है।गुप्ता ने कहा कि ये पुस्तकें पूरे देश से एकत्र की गई हैं। विभिन्न भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक गैलरी समय-समय पर और पुस्तकों के साथ बढ़ता रहेगी।

भारत के लिए बड़ी कामयाबी, इंटरपोल एशियन कमेटी का चुना गया सदस्य

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत इंटरपोल एशियन कमेटी के लिए निर्वाचित हुआ। यह उपलब्धि कानून प्रवर्तन और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में भारत के बढ़ते वैश्विक नेतृत्व को दर्शाती है। सिंगापुर में आयोजित 25वें एशियाई क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान भारत को इंटरपोल एशियन कमेटी का सदस्य चुना गया है। यह चुनाव बहुचरणीय मतदान प्रक्रिया के माध्यम से हुआ, जो अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन सहयोग में भारत की भागीदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इस कमेटी का उद्देश्य एशियाई क्षेत्रीय सम्मेलन को उसके अधिदेश के क्रियान्वयन में सलाह देना और संबंधित रणनीतिक एवं परिचालन संबंधी मुद्दों की स्पष्ट समझ प्रदान करके एशियाई क्षेत्रीय सम्मेलन के सत्र में विचार-विमर्श को सुगम बनाना है। कमेटी अपराध के विरुद्ध लड़ाई में क्षेत्रीय रणनीतिक प्राथमिकताओं और क्षेत्र विशेष के पुलिस सहयोग संबंधी मुद्दों की पहचान करेगी। भारत की सदस्यता क्षेत्रीय सहयोग को और बढ़ाएगी, विशेष रूप से संगठित अपराध, साइबर अपराध, मानव तस्करी, आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटने में। यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय पुलिसिंग पहलों में भारत की सक्रिय भागीदारी, वैश्विक पुलिसिंग लक्ष्यों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग को सुदृढ़ करने के उसके प्रयासों को रेखांकित करती है। यह उपलब्धि इंटरपोल के उच्चतम स्तरों पर भारतीय प्रतिनिधित्व के इतिहास का अनुसरण करती है और कानून प्रवर्तन तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में भारत के बढ़ते वैश्विक नेतृत्व को प्रदर्शित करती है।

डूसू चुनाव में अभाविप ने चार में से तीन पदों पर किया कब्जा, उपाध्यक्ष का पद एनएसयूआई के नाम

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के परिणाम घोषित कर दिए गए। इसमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने चार में से तीन पदों पर जीत दर्ज की, जबकि राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने उपाध्यक्ष पद अपने नाम किया।हालांकि एनएसयूआई ने इन चुनावों में अभाविप पर चुनाव आयोग के साथ मिलकर धांधली का आरोप लगाया था, जिसे अभाविप ने बेबुनियाद बताया था। नतीजों के अनुसार अध्यक्ष पद पर अभाविप के आर्यन मान ने 28,841 मत प्राप्त कर जीत हासिल की, जबकि जोशलीन नंदिता चौधरी को 12,645 मत मिले। उपाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई के राहुल झांसला ने 29,339 मत पाकर जीत दर्ज की, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी गोविंद तंवर को 20,547 मत मिले। सचिव पद पर अभाविप के कुणाल चौधरी को 23,779 मत मिले, जबकि कबीर 16,117 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। संयुक्त सचिव पद पर अभाविप की दीपिका झा ने 21,825 मत हासिल किए, वहीं लवकुश भड़ाना को 17,380 मत प्राप्त हुए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष आर्यन मान ने कहा कि मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। पिछले 5 सालों

का मेरा सपना पूरा हुआ। आज मैं दिल्ली विश्वविद्यालय के हर छात्र का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिनकी बदौलत मैं 16,000 वोटों के अंतर से जीता। हमने एनएसयूआई को फिर करारा जवाब दिया और उनके खिलाफ 3-1 से जीत हासिल की। कैंपस में छात्राओं के लिए कई डार्क स्पॉट हैं, हम वहां लाइटें लगवाएंगे।डूसू के नवनिर्वाचित सचिव कुणाल चौधरी ने कहा ने मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मैं दिल्ली विश्वविद्यालय के हर छात्र को वोट देने और मुझे समर्थन देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं उन्हें विश्वास दिलाना चाहता हूं कि जब भी उन्हें मेरी जरूरत होगी, मैं उनके साथ खड़ा रहूंगा। डूसू के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष और एनएसयूआई नेता राहुल झांसला ने कहा कि उनकी जीत उनकी पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने इसे अपनी टीम को समर्पित करते हुए कहा कि चुनावी सफर में उनका साथ देने वाले सभी लोगों के प्रति वह आभारी हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. राज किशोर शर्मा ने बताया कि इस बार अध्यक्ष पद के लिए 9, उपाध्यक्ष पद के लिए 3, सचिव पद के लिए 4 और संयुक्त सचिव पद के लिए 5 उम्मीदवार मैदान में थे।

वैश्विक डाक संघ की प्रशासन परिषद और डाक संचालन परिषद के लिए फिर चुना गया भारत

नई दिल्ली । संयुक्त अरब अमीरात के शहर दुबई में आयोजित 28वीं यूपीयू कांग्रेस के दौरान भारत को यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) की प्रशासन परिषद (सीए) और डाक संचालन परिषद (पीओसी) के लिए पुनः निर्वाचित किया गया है।यूपीयू, संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी, डाक क्षेत्र के हितधारकों के बीच सहयोग का प्रमुख मंच है। सीए नीति, नियामक और शासन संबंधी मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जबकि पीओसी तकनीकी और परिचालन निकाय है जो दुनिया भर में डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण को गति प्रदान करता है। भारत का पुनः निर्वाचित होना भारतीय डाक के नेतृत्व, सुधारों और नवीन डिजिटल पहलों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के विश्वास को दर्शाता है। भारत 1876 से यूपीयू का सदस्य रहा है और वैश्विक डाक नेटवर्क को मज़बूत करने में निरंतर योगदान देता रहा है।

दिल्ली का नया ड्रेनेज मास्टर प्लान पेश, बाढ़ और जलभराव से मिलेगी राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य और पावर मंत्री मनोहर लाल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सेवा पखवाड़े के दौरान राष्ट्रीय राजधानी का नया ड्रेनेज मास्टर प्लान नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के कन्वेंशन सेंटर में पेश किया। यह नया ड्रेनेज मास्टर प्लान राष्ट्रीय राजधानी में बार-बार होने वाली शहरी बाढ़ और जलभराव की समस्याओं को अगले 30 वर्षों तक हल करने के लिए एक ऐतिहासिक ब्लूप्रिंट है। उन्होंने इस अवसर नजफगढ, बालापुला और ट्रांस यमुना बेसिन के लिए तैयार तीन अलग-अलग मास्टर योजनाओं का संयुक्त रूप से अनावरण किया। यह योजना अगले तीन दशकों के लिए दिल्ली के ड्रेनेज ढांचे को भविष्य-सक्षम बनाने का लक्ष्य रखती है।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जल संबंधी मुद्दे हमारे शहर की भलाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इसमें पीने का पानी, वर्षा जल निकासी और सीवेज सिस्टम शामिल हैं। दिल्ली का नया ड्रेनेज मास्टर प्लान इस प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि हम इन महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने के लिए कटिबद्ध हैं। वर्षों की परिश्रमपूर्वक परामर्श, डेटा संग्रह और

अध्ययन के बाद तैयार की गई यह व्यापक योजना दिल्ली की ड्रेनेज आवश्यकताओं के लिए रोडमैप प्रदान करेगी, जिससे जलजमाव से राहत मिलेगी और शहर को ड्रेनेज संबंधी चुनौतियों से सुरक्षित रखा जाएगा।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा, 'इस योजना के तहत शहरी बाढ़ से निपटना, सतही जल भंडारण में सुधार, जल बहाव कम करना और मुख्य स्टॉर्मवॉटर चैनलों को अपग्रेड करना शामिल है, जिससे दिल्लीवासियों का जीवन स्तर सुधरेगा।' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शहर के ड्रेनेज सिस्टम की अपनी प्रारंभिक समीक्षा साझा करते हुए बरापुल्ला नाला, कुशक ड्रेन, मिंटो ब्रिज और आईटीओ ब्रिज के अपने व्यक्तिगत निरीक्षण का उदहारण दिया। उन्होंने गर्व से कहा कि इस साल पहली बार मिंटो ब्रिज और आईटीओ जैसी जगहों पर गंभीर जलजमाव नहीं देखा गया, जो पहले एक आम समस्या थी।

मुख्यमंत्री ने एक प्रमुख पहल की घोषणा करते हुए कहा कि 30 सितंबर को सेवा पखवाड़ा उत्सव के हिस्से के रूप में 4,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा, जिसमें यमुना पुनर्जीवन योजना भी शामिल है। यह योजना चरणबद्ध और संरचित तरीके से लागू की जाएगी।

दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा, 'जैसे ही हमारी सरकार बनी, हमने तुरंत दिल्ली में जलजमाव की समस्याओं को हल करने के लिए कदम उठाए। हमने शहर के मुख्य जलजमाव बिंदुओं का दौरा किया और ठोस कदम उठाए। हमारे विभागों ने 20 लाख मीट्रिक टन की गाद निकालकर सी×डी प्लांटों में भेजी।'

उन्होंने कहा, 'मुझे गर्व है कि पिछले 15 वर्षों में सबसे अधिक बारिश होने के बावजूद, दिल्ली में कोई गंभीर बाढ़ नहीं आई। हमारा एकीकृत ड्रेनेज मास्टर प्लान यह सुनिश्चित करने का रोडमैप है कि दिल्ली बाढ़ मुक्त रहे और हमारे नागरिक बिना जलजमाव की चिंता किए जीवन जी सकें।

भारत–सऊदी अरब की रणनीतिक साझेदारी काफी मजबूतः जायसवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत और सऊदी अरब की रणनीतिक साझेदारी काफी मजूबत है और हमें उम्मीद है कि आपसी हितों और संवेदनशीलताओं का ध्यान रखा जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल की यह प्रतिक्रिया कल मंत्रालय की ओर से आई प्रतिक्रिया की तुलना में संक्षिप्त और हल्की है। कल मंत्रालय ने दोनों देशों के सैन्य समझौते को लेकर चिंता जताई थी। मंत्रालय ने कहा था कि इससे भारत के राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्थिरता प्रभावित होगी। पाकिस्तान-सऊदी समझौते में प्रावधान है कि दोनों में से किसी एक पर हुए हमले को दोनों देशों पर आक्रमण माना जाएगा। प्रवक्ता ने कहा, भारत और सऊदी अरब के बीच व्यापक स्ट्रेटेजिक साझेदारी है जो पिछले कुछ वर्षों में काफ़ी गहरी हुई है। हम उम्मीद करते हैं कि हमारी स्ट्रेटेजिक साझेदारी में आपसी हितों और संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखा जाएगा। प्रवक्ता से ईरान में चाहबहार बंदरगाह के संबंध में अमेरिकी प्रशासन के निर्णय के बारे में भी पूछा गया था। ट्रम्प प्रशासन की ओर से प्रतिबंध छूट समाप्त करने के बारे में प्रवक्ता ने कहा कि हम इसके प्रभावों का आकलन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत चाबहार बंदरगाह के बेहेश्ती खंड का संचालन कर रहा है। सरकारी कंपनी इंडिया पोर्ट ग्लोबल द्विपक्षीय समझौते के तहत बंदरगाह का संचालन कर रही है जो अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक संपर्क के लिए बहुत उपयोगी है। ईरान के खिलाफ व्यापक प्रतिबंधों के बावजूद ट्रम्प प्रशासन के पहले दौर में भारत को चाहबहार के संबंध में प्रतिबंधों से छूट दी गई थी। ट्रम्प प्रशासन का यह नया निर्णय 29 सितंबर से लागू होगा। भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद अमेरिकी प्रशासन की ओर से भारत के खिलाफ की गई यह एक ओर बड़ी कार्रवाई है। इसी बीच ट्रम्प प्रशासन के साथ व्यापार वार्ता भी जारी है। प्रवक्ता ने बताया कि सहायक यूएसटीआर ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि की एक टीम ने 16 सितंबर को वाणिज्य मंत्रालय में अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर चल रही बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए बैठकें कीं। चर्चाएं सकारात्मक और दूरदर्शी रहीं, जिनमें व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को शीघ्रता से संपन्न करने के प्रयासों को तेज़ करने का निर्णय लिया गया।

क्या शादीशुदा जिंदगी में

नताशा स्टेनकोविक

को हार्दिक पांड्या ने दिया धोखा? एक्स गर्लफ्रेंड ने किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक एक वक्त पर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियां बटोरी हैं. उन्होंने साल 2020 में छ्ह्ङ्कढ्ढष्ठ-19 महामारी के दौरान इंडियन क्रिकेटर हार्दिक पांड्या से शादी रचाई थी. हालांकि, दोनों का रिश्ता लंबे वक्त तक नहीं चला, कपल ने साल 2024 में तलाक ले लिया. तलाक के बाद से एक्ट्रेस और क्रिकेटर की डेटिंग की खबरें सामने आई हैं, लेकिन हाल ही में खबर आ रही है कि हार्दिक को धोखा दिया है.

हार्दिक पांड्या का नाम कुछ वक्त पहले तक ब्रिटेन की सिंगर जैस्मीन वालिया से जुड़ रहा था, लेकिन अब दोनों के अलग होने की खबर है. कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये बताया गया है कि हार्दिक और जैस्मीन दो साल से एक साथ थे. लेकिन अब हार्दिक पांड्या का नाम मॉडल एक्ट्रेस माहिका शर्मा के साथ जुड़ रहा है. लेकिन, इन सारे रिश्तों के अटकलों के बीच बताया जा रहा है कि हार्दिक पांड्या ने शादी में रहते हुए नताशा को धोखा दिया है.

दो साल लंबा था रिश्ता

दरअसल, सोशल मीडिया पर जैस्मीन के हालिया पोस्ट पर किया गया एक कमेंट काफी वायरल हो रहा है. इस पोस्ट में जैस्मीन और हार्दिक के रिश्ते की टाइमलाइन के बारे में बात किया गया है. कमेंट में लिखा है, 'आपने अपनी स्टोरी में लिखा है कि आपका पिछला रिश्ता लगभग दो साल लंबा था. इसका मतलब है कि आप और हार्दिक तलाक की अनाउंसमेंट से बहुत पहले से डेट कर रहे थे. तलाक की अनाउंसमेंट जुलाई 2024 में हुई थी, इसका मतलब है कि तलाक की अनाउंसमेंट होने से लगभग एक साल पहले आप और हार्दिक साथ थे.'

जैस्मीन ने दिया हिंट

हालांकि, इस अफवाह को हवा तब मिली जब जैस्मीन ने खुद इस कमेंट को लाइक किया, जिससे कई लोग इस बात को सच मान रहे हैं. हार्दिक और नताशा की बात करें, तो दोनों ने 2020 में घर में ही शादी की थी, लेकिन साल 2023 में उन्होंने ग्रैंड तरीके से उदयपुर में शादी रचाई थी. दोनों ने अपने पहले बेटे अगस्त्य का वेलकम साल 2023 में ही किया था. हालांकि, नताशा को धोखा देने वाली बात पर किसी की भी तरफ से ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है.

कैसा है शाहरुख खान के बेटे आर्यन का पहला प्रोजेक्ट? माधुरी दीक्षित के पति ने बता दिया

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने आखिरकार नेटफ्लिक्स की सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से अपने मच अवेटेड डायरेक्शन करियर की शुरुआत कर दी है, जिसका प्रीमियर 18 सितंबर को हुआ. मुंबई में होस्ट हुई इस ग्रैंड स्क्रीनिंग में सितारों की फौज देखने को मिली. इंडस्ट्री के बड़े-बड़े स्टार्स ने इस खास मौके पर शिरकत की. इनमें माधुरी दीक्षित और उनके पति डॉ. श्रीराम नेने भी शामिल थे, जिन्होंने न केवल रेड कार्पेट पर वॉक किया, बल्कि शो देखने के बाद आर्यन की सीरीज का रिव्यू भी दिया.डॉ. नेने ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें वे और माधुरी इवेंट में फोटोग्राफर्स के लिए पोज़ दे रहे थे. इसके साथ ही, उन्होंने आर्यन के पहले प्रोजेक्ट की तारीफ़ करते हुए एक नोट भी लिखा. उन्होंने लिखा, नेटफ्लिक्स पर आर्यन खान के निर्देशन में बनी पहली फिल्म, 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के प्रीमियर पर बहुत अच्छा समय बिताया. स्क्रिप्टिंग, कास्टिंग, माउंटिंग और प्रोडक्शन वैल्यूज़ बेहतरीन थे.

वहीं दीप्ति नवल के साथ भी उनकी दूरी रही और वो इतनी बढ़ गई कि उनकी दोस्ती खत्म हो गई. आज दीप्ति नवल और शबाना आजमी शायद ही कभी किसी इवेंट में मिल पाती हैं.

डॉ. नेने ने की आर्यन के काम की तारीफ

शो के सरकास्टिक लहजे पर बात करते हुए डॉ. नेने ने कहा, सबसे मजेदार बात यह थी कि बॉलीवुड समीकरण के सभी पहलुओं पर असम्मान, व्यंग्यात्मक हास्य और टिप्पणियों में कोई कसर नहीं छोड़ी गई. माधुरी दीक्षित के पति ने इंडस्ट्री में आर्यन के सफर और उनके सरनेम के दबाव पर भी बात की उन्होंने आगे कहा, कुछ लोग कहेंगे कि नेपोटिज्म समीकरण पूरी तरह से बदल जाता है. लेकिन आर्यन ने वास्तव में कठिन रास्ता अपनाया है, दुनिया के सबसे बेहतरीन फिल्म स्कूलों में से एक यूएससी में अपनी कला का अध्ययन किया है.

आर्यन ने मुश्किल रास्ता चुना -डॉ. नेने

डॉ. नेने ने बताया कि यह अचीवमेंट अपने पिता शाहरुख खान की छाया से बाहर आकर हासिल की जा रही है, और उन्हें लगता है कि आर्यन इस शुरुआत के साथ कमाल कर रहे हैं. उन्हें इस सीरीज़ के बाकी एपिसोड का इंतजार है. उन्होंने सभी से पूछा है कि उन्हें बताएं कि आपको क्या लगता है.

17 साल बाद प्रेरणा-मिस्टर बजाज की वापसी, फिर एक बार दिखेगी शानदार केमेस्ट्री

टीवी के सबसे बड़े और मशहूर शो कसौटी जिंदगी की की आज भी तगड़ी फैन फॉलोइंग है. इस शो को आए हुए 17 साल हो चुके हैं, लेकिन आज भी शो को आईकॉनिक माना जाता है. इस शो में प्रेरणा और मिस्टर बजाज की जोड़ी को फैंस ने काफी पसंद किया था. अब एक बार फिर फैंस को उन्हें देखने का मौका मिलने वाला है.

टीवी के सबसे पॉपुलर शोज में से एक 'कसौटी जिंदगी की' के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है. 17 साल बाद, शो की सबसे पसंदीदा जोड़ी, रोनित रॉय और श्वेता तिवारी, यानी मिस्टर बजाज और प्रेरणा एक बार फिर से छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं. स्टार प्लस के 25 साल पूरे होने के जश्न में होने जा रहे एक खास फंक्शन में दोनों साथ मिलकर डांस करते नजर आएंगे. ये पल हर एक फैन के लिए खास होने वाला है.

रोनित रॉय ने शो में मिस्टर बजाज का किरदार निभाया था, जबकि श्वेता तिवारी ने प्रेरणा का. दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, और उनकी जोड़ी 'बजाज-प्रेरणा' के नाम से घर-घर में मशहूर हो गई थी. शो में प्रेरणा-अनुराग और मिस्टर बजाज का लव ट्रायंगल फैंस को काफी पसंद आया था और आज भी फैंस को मिस्टर बजाज और प्रेरणा की जोड़ी काफी पसंद है.

अवॉर्ड्स में ये जोड़ियां भी होंगी शामिल

टीवी 9 को मिली एक्सक्लूसिव जानकारी के मुताबिक, सिर्फ प्रेरणा और मिस्टर बजाज ही नहीं बल्कि स्टार परिवार अवॉर्ड्स में 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से अभिमन्यु-अरमान, 'उड़ने की आशा' से सचिन-सायली, 'झनक' से झनक-ऋषि और 'अनुपमा' से राही-प्रेम भी शामिल होंगे. इन जोड़ियों की भी परफॉर्मेंस देखने को मिलेगी.

मिहिर और तुलसी भी करेंगे परफॉर्म

इसके साथ ही, दर्शकों को 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की मशहूर जोड़ी मिहिर और तुलसी को भी एक बार फिर मंच पर एक साथ देखने का मौका मिलेगा. ये स्टार परिवार अवॉर्ड्स काफी खास होने वाला है. प्रेरणा और मिस्टर बजाज के रोल में श्वेता तिवारी और रोनित रॉय ने घर-घर में अपनी पहचान बनाई थी. जब ये शो ऑफ एयर हुआ था, तो फैंस का दिल टूट गया था. लेकिन अब 17 सालों के बाद एक बार फिर से प्रेरणा और बजाज की शानदार केमेस्ट्री देखने को मिलेगी.

'क्या तैरते हो आप...' पवन सिंह ने फिर कर डाली

धनश्री वर्मा

की तारीफ, ठहाके लगाकर हंसी कोरियोग्राफर

अशनीर ग्रोवर के रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' की लोकप्रियता हर दिन बढ़ती जा रही है. इसमें 16 कंटेस्टेंट्स हैं. उनमें से दो के नाम भोजपुरी स्टार पवन सिंह और फेमस कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा, जिन्हें लेकर हर दिन कुछ ना कुछ खबरें आती हैं. शो में पवन सिंह बार-बार धनश्री वर्मा की तारीफ करते हैं और वो धनश्री की आवाज, हंसी और डांस के दीवाने

हो गए हैं. ऐसा उन्होंने अपनी बातों में कई बार कहा भी है. इस बार उन्होंने ऐसी तारीफ की, कि धनश्री की हंसी छूट गई.शो के लेटेस्ट एपिसोड में दिखाया गया कि पवन सिंह एक बार फिर धनश्री की तारीफ करते हैं. इस तारीफ पर इस बार धनश्री शरमाई नहीं बल्कि ठहाके लगाकर हंसती हुई नजर आई. धनश्री के साथ बाकी कंटेस्टेंट्स भी हंसने लगते हैं और वो बात बोलने के बाद पवन सिंह खुद हंसते हुए नजर आए. धनश्री की तारीफ में पवन सिंह ने क्या कहा, आइए जानते हैं.

पवन सिंह की किस बात पर हंसी धनश्री ?

'राइज एंड फॉल' के लेटेस्ट एपिसोड के एक सीन में दिखाया गया कि सभी बैठे हुए हैं. वहीं धनश्री सोफे पर लेटी रहती हैं. उसी समय पवन सिंह फिर से धनश्री वर्मा की तारीफ करने लगते हैं. पवन सिंह ने कहा, 'क्या तैरते हो आपज' ये सुनकर सभी हंसने लगे और अरबाज पटेल ने कहा कि तैरना भी नोटिस कर लिया आपने. वहीं लेटी हुई धनश्री ठहाके लगाने लगती हैं और हंसते हुए अरबाज को देखकर बोलीं, 'मैंने खुद को तैरते हुए नहीं देखा आज तक' पवन सिंह इतनी बात बोलने के बाद खुद हंसने लगते हैं और फिर बोले, 'अब कुछ बोलना है इस शो में तो यही बोल देते हैं लेकिन सच ये है कि आपकी कई बातें मुझे अच्छी लगती हैं.'

पवन सिंह-धनश्री की कैमिस्ट्री

6 सितंबर से ये शो टेलीकास्ट हो रहा है और हर दिन का एपिसोड अलग-अलग तरह से दर्शकों को एंटरटेन कर रहा है. राइज एंड फॉल में सबसे ज्यादा जो दो लोग दर्शकों को पसंद आ रहे हैं वो पवन सिंह और धनश्री वर्मा हैं.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया गोमती पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रांगण में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की ओर से आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पुस्तक मेले के शुभारम्भ के अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय मनीषा की ज्ञान की अवधारणा बहुत विराट है। हमने शब्द को ब्रह्म माना है। ब्रह्म ही सत्य है। इसीलिए भारतीय ऋषि कहता है विचार कभी मरते नहीं। हमारा सही साथी कोई है तो वह है अच्छी पुस्तकें। हमें सामूहिक रूप से अच्छी पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। युवाओं से कहना चाहेंगे कि पांच छह घंटे सोशल मीडिया पर लगाते हैं अगर प्रतिदिन 1 घंटे रचनात्मक पुस्तक पढ़ लें तो जीवन का कल्याण हो जायेगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पढ़ना और आगे बढ़ना भारत की परम्परा रही है। भारत ने दुनिया को विश्वविद्यालय की श्रृंखला दी। तक्षशिला विश्वविद्यालय जो आज पाकिस्तान में है, उसे आक्रान्ताओं ने नष्ट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौलिक कृति पर हमारा विचार व प्रयास होना चाहिए। इस पर लेखन व चिंतन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना होगा। हमारे शिक्षा व धार्मिक केन्द्रों को इसका आधार बनना पड़ेगा। महर्षि वाल्मीकि ने एक मौलिक कृति रामायण महाकाव्य के रूप में हम सबको दिया। तुलसी दास ने रामचरितमानस की रचना कर अजर अमर हो गये।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि युवा वर्ग को डिजिटल माध्यम के साथ मुद्रित पुस्तकों के प्रति प्रेरित करना जरूरी है। पुस्तकें अच्छी ज्ञानवर्धक होती हैं और हमें दिशा देती हैं। गोमती पुस्तक महोत्सव पारम्परिक ज्ञान देने का सशक्त माध्यम है।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे ने कहा कि हमें वाचन संस्कृति को बढ़ाना होगा।

इससे समाज ज्ञानवान बनेगा। विचार व भावनाएं पुस्तकों के माध्यम से लोगों तक पहुंचती हैं। वाचन के माध्यम से हजारों व्यक्तियों का जीवन हम समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ेगा भारत तो बढ़ेगा भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं। पुस्तकों का पढ़ना बहुत आवश्यक है।

एनएचएम संविदा कार्मिकों का वेतन भुगतान शीघ्र कराये जाने की मांग

लखनऊ। भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को पत्र प्रेषित कर संविदा कर्मियों का अगस्त 2025 माह के वेतन भुगतान में हो रही देरी पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री योगेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि एनएचएम संविदा कार्मिक प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं, जो 247 स्वास्थ्य सेवाओं को जनमानस तक पहुंचाने में अग्रिम पंक्ति पर कार्य कर रहे हैं। हाल ही में "स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार" कार्यक्रम को सफल बनाने में भी कार्मिकों ने दिन-रात योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि संविदा कार्मिकों का जीवन-यापन पूर्णतः मासिक वेतन पर निर्भर है। समय पर वेतन न मिलने से परिवार भरण-पोषण, बच्चों की शिक्षा, मकान किराया, बिजली बिल तथा दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति गंभीर संकट में पड़ रही है। वर्तमान त्यौहार के समय में यह समस्या और भी विकट हो गई है, जिससे कार्मिकों का मनोबल प्रभावित हो रहा है।

संघ ने उपमुख्यमंत्री से मांग की है कि अगस्त माह का लंबित वेतन तत्काल जारी कराया जाए, जिससे लगभग एक लाख संविदा कार्मिकों एवं उनके आश्रित परिवारों को राहत मिल सके और स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता बनी रहे।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 23 सितम्बर 2025 तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई तो दिनांक 24 सितम्बर 2025 को प्रदेशभर के एनएचएम संविदा कार्मिक मंडलायुक्त/अपर निदेशक के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर वृहद स्तर पर विरोध दर्ज कराएंगे।

नशे के सौदागर गिरोहों पर पुलिस का शिकंजा, 31 तस्करों पर लगेगा गैंगस्टर

बरेली। उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली में नशे के कारोबार में लिप्त गिरोहों पर बरेली पुलिस ने बड़ा प्रहार किया है। जिले में सक्रिय आठ गिरोहों के 31 तस्करों को पुलिस ने चिन्हित कर निगरानी में ले लिया है। इनमें से कई की हिस्ट्रीशीट खोल दी गई है और अब गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने शनिवार को बताया कि जांच में सामने आया है कि यह गिरोह न केवल मादक पदार्थों की सप्लाई में शामिल थे बल्कि हत्या और अन्य संगीन वारदातों में भी सक्रिय रहे हैं। इन पर लगातार सख्त निगरानी रखकर नशे के धंधे को जड़ से खत्म करने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मोहनपुर निवासी 59 वर्षीय शहादत खां अपने तीन साथियों के साथ गैंग चला रहा था। अंजनी गांव का राहुल (25) और उसकी साथी शांति कुमारी (झारखंड निवासी) भी तस्करी में लिप्त पाए गए। बदायूं का महावीर अपने तीन साथियों संग बरेली में सक्रिय हैं। राजेंद्र पाल छह साथियों के साथ हरिद्वार और झारखंड तक नेटवर्क फैला चुका है। इसके अलावा फतेहगंज पश्चिमी का मोनिश, इज्जतनगर का अखिल विश्वकर्मा और बिथरी चैनपुर का नौबत यादव भी पुलिस की निगरानी सूची में हैं। सबसे चर्चित नाम बारादरी का असगर अली उर्फ गुड्डू है, जो पत्नी नूरी और अन्य साथियों के साथ बड़ा नेटवर्क चला रहा था। पुलिस ने इन आठों गैंगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीट खोल दी है। अब इन पर गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही की जानी है।

एसएसपी का दावा है कि तस्करों पर सख्त कार्रवाई से उनके नशे के कारोबार पर बड़ा असर पड़ेगा और शहर में सक्रिय नेटवर्क पर पूरी तरह से अंकुश लगेगा।

मथुरा पुलिस ने जंगलों में संचालित अवैध असलहा फैक्टरी पकड़ी, तीन गिरफ्तार

मथुरा। उत्तर प्रदेश में जनपद मथुरा के महावन थाना की पुलिस ने शुक्रवार देर रात इलाके के जंगल में अवैध हथियार बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़ करते हुए मुठभेड़ में तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक बदमाश फरार हो गया। पुलिस की गोली लगने से तीनों बदमाश घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए सीएचसी छौली बलदेव में भर्ती कराया गया है।पुलिस अधीक्षक (देहात) सुरेश

चंद्र रावत ने शनिवार को बताया कि महावन इलाके के जंगल में अवैध असलहा फैक्टरी चलने की शिकायतें मिल रही थीं। मामले का संज्ञान लेकर देर रात को महावन पुलिस टीम के साथ गांव कारब और पचावर के जंगलों में चल रही अवैध असलहा फैक्टरी में छापा मारा तो वहां मौजूद बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें केशव देव निवासी महेंद्र, फिरोजाबाद के नगला लोका निवासी सूरज और नगला छत्तु का रहने वाला महेश घायल हो गए। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर फैक्टरी से कई बने और अधबने तमंचे, बैरल और हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए हैं।

एसपी देहात ने बताया कि पकड़े गए बदमाश महेश के खिलाफ डकैती, आर्म्स एक्ट और गुंडा एक्ट समेत अलग-अलग थानों में कई मुकदमें दर्ज हैं।

चोरी के 10 वाहनों समेत दो शातिर चोर गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा के थाना सेक्टर 49 पुलिस ने बीती रात शुक्रवार को एक सूचना के आधार पर दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से विभिन्न जगहों पर छुपाए चोरी के 10 दुपहिया वाहन तथा होशियापुर गांव में स्थित एक स्टोर से चोरी किया एक आधार कार्ड और कुछ नकदी आदि बरामद की है।

थाना सेक्टर 49 के प्रभारी अनुज कुमार सैनी ने शनिवार को बताया कि बीती रात को उप निरीक्षक आशु चौधरी गश्त पर थे। उन्हें सूचना मिली कि वाहन चोरी करने वाले गैंग के लोग चोरी के वाहन को बेचने के लिए सेक्टर 76 मेट्रो स्टेशन के पास खड़े हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बदमाशों की तलाश शुरू की। केंद्रीय विहार के पास से पुलिस टीम ने संदिग्ध अवस्था में खड़े आकाश पुत्र संजय तथा कासिम पुत्र रिफाकत अली को गिरफ्तार किया है।

कोतवाल ने बताया कि पकड़े गए आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने विभिन्न जगहों से चोरी की हुई 7 मोटरसाइकिल, 3 स्कूटी, 1300 रुपये नकद आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि दोनों बदमाशों ने होशियारपुर गांव स्थित पतंजलि स्टोर से भी एक महीने पहले चोरी की थी और उसकी रकम में से 39-39 हजार रुपये दोनों के हिस्से में आए थे। आरोपितों ने चोरी की रकम को खर्च कर दिया है। उन्होंने बताया कि बरामद दोपहिया वाहन बदमाशों ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न जगहों से चोरी करनी की बात कबूल की है।

फैक्टरी में युवक ने फांसी लगाकर जान दी

गौतम बुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश में जनपद गौतमबुद्धनगर के थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र में स्थित एक फैक्टरी में युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी है।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के जनसम्पर्क अधिकारी ने शनिवार को बताया कि थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र में बिहार का समस्तीपुर निवासी दीपक सदा मजदूरी करता था। उसने फैक्टरी में लगे पेड़ की डाल पर फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली है। आज सुबह घटना की जानकारी पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। उन्होंने बताया कि घटना के बारे में मृतक के परिवार को जानकारी देते हुए शव को पोस्टमार्टम भिजवा दिया गया है। परिजन अगर इस मामले में कोई शिकायत करेंगे तो पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच करेगी।

लूट का आरोपी गिरफ्तार

हंडिया । पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना हण्डिया पर पंजीकृत लूट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त रंजीत पासी उर्फ बाबा पासी पुत्र स्व0 शंकर लाल निवासी ग्राम गोपालीपुर थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा शुक्रवार को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत बरौत स्थित माधोपुर पुलिया के पास से 01 अवैध तमंचा .315 बोर, 01 कारतूस .315 बोर व 01 खोका कारतूस .315 बोर एवं चोरी की 01 मोटर साइकिल वाहन के साथ गिरफ्तार किया गया ।

महिला डॉक्टर का फोन हैक कर साइबर अपराधियों ने युवक से ठगे 46 हजार रुपये

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिले के सूरजपुर थाना क्षेत्र में एक महिला डॉक्टर का फोन हैक करके साइबर अपराधियों ने युवक से 46 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए।

साइबर ठगी का शिकार पीड़ित ने शुक्रवार देर रात को इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है।

सुरजपुर थाना प्रभारी विनोद कुमार ने शनिवार को बताया कि सेक्टर जीटा-वन निवासी सुमित विरदी ने बीती देर रात थाना में दी तहरीर में बताया कि वह 17 सितंबर को 2:30 बजे करीब नॉलेज पार्क स्थित अपने कार्यालय में बैठा था। तभी उनके परिचित डॉक्टर शैल प्रिया के मोबाइल नंबर से एक व्हाट्सएप पर मैसेज आया। मैसेज में कहा गया कि कुछ पैसों की सख्त जरूरत है। एक नंबर पर पेटीएम कर दें। उन्होंने समझा कि डॉक्टर किसी मुसीबत में है। दोस्त की मदद करने की नीयत से पीड़ित ने 46 हजार रुपये उनके बताए गए खाते में ट्रांसफर कर दिया। बाद में उन्हें पता चला की डॉक्टर का मोबाइल फोन को हैक करके साइबर अपराधियों ने उनके नाम पर पैसे मांगे हैं। इस मामले में पीड़ित ने पुलिस में साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री योगी ने मिशन शक्ति 5 का किया शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां लोक भवन में मिशन शक्ति-5 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी 1647 थानों में नवस्थापित मिशन शक्ति केन्द्रों का वर्चुअल उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने पुस्तिका का विमोचन किया और जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नारी गरिमा और उसके सम्मान को आगे बढ़ाने के लिए पिछले 11 वर्षों में केन्द्र की मोदी सरकार कार्य कर रही है। उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना जैसी योजनाओं के केन्द्र में महिला हैं। उप्र पुलिस में महिलाओं की भर्ती की गयी है। 2017 से पहले की सरकारों में भेदभाव किया जाता था। चेहरे देख कर योजनाओं का लाभ दिया जाता था। आज उप्र सरकार बिना भेदभाव के बेटियों के विवाह के लिए एक लाख रुपये की सहायता दे रही है। बैंकिंग करस्पांडेट सखी की योजना शुरू की गयी थी। उनके माध्यम से आज हजारों करोड़ का लेनदेन हो रहा है। वे खुद भी कमाई कर रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 17 के पहले पोषाहार की स्कीम के साथ शराब के ठेकेदार जुड़े थे। व्यापक धांधली होती थी। हमने टीएचआर प्लांट लगाया। नीयत ठीक हो तो योजनाएं अपना रास्ता स्वयं निकाल

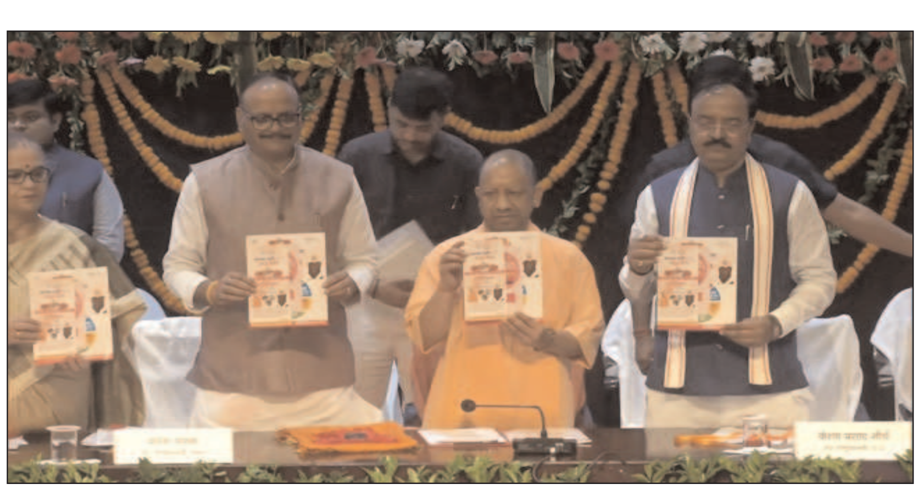

लेती हैं। पहले महिलाओं की सुरक्षा का भी खतरा बना रहता था। पहले बेसिक स्कूलों में पढ़ने वाली बच्चियों के पैर में चप्पल नहीं थी। स्वेटर नहीं थे। एक बच्ची से बात की तो उसने बताया कि उसके लिए जूते और स्वेटर नहीं है लेकिन उसके भाई के लिए अभिभावक ने सारी चीजें व्यवस्था की है। जब समाज समृद्ध होता है तो राष्ट्र को समृद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने कल देखा होगा, महिला संबंधी अपराध में संलिप्त एक अपराधी बाहर से आया था।

वह संभवतः मारीच की तरह घुसा था लेकिन जब यहां की पुलिस की गोली ने उसके शरीर को छलनी किया तो वह चिल्ला रहा था कि " सर मैं गलती से उत्तर प्रदेश की सीमा में आ गया हूं, आगे से यह दुस्साहस नहीं करूंगा और यह हर उस अपराधी को करना पड़ेगा जो महिला सुरक्षा में सेंध लगाएगा। उनके सम्मान और उनके स्वावलंबन में बाधक बनेगा।

महिला की हत्या में पति समेत तीन गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा के थाना बादलपुर क्षेत्र में दहेज के लिए महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने पति समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

बादलपुर थाना प्रभारी अमित भड़ाना ने शनिवार को बताया कि जनपद बुलंदशहर की रहने वाली सुमन की शादी गत मई माह में छपरौला निवासी दीपक से हुई थी। मायके वालों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर बुधवार को ससुराल पक्ष के लोगों ने बेटी सुमन की हत्या कर दी। मायके पक्ष की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी।

थानेदार ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में फरार चल रहे पति दीपक, ससुर ओमप्रकाश और सास मुनेश को बीती रात शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। तीनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उनको 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

युवती को आत्महत्या के लिए विवश करने वाला आरोपित गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा के ईकोटेक तीन थाना क्षेत्र में किराये के मकान में रहने वाली एक युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले आरोपित को पुलिस ने शुक्रवार की रात गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शनिवार को आरोपित को कोर्ट में पेश किया। न्यायालय ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि जनपद देवरिया के रहने वाले विजय कुमार ने इकोटेक तीन थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है कि उनकी 23 वर्षीय पुत्री वर्तमान में हबीबपुर गांव में किराये के मकान में रहती थी। वह पिछले तीन साल से एक ऑटो पार्ट्स बनाने वाली कंपनी में कार्यरत थी। कंपनी में बुलंदशहर का रहने वाला विक्रांत शर्मा भी काम करता है। काम के दौरान आरोपित विक्रांत उनकी पुत्री के संपर्क में आया। आरोप है कि विक्रांत ने युवती को शादी का झांसा दिया और उसके साथ दुर्व्यवहार किया। जब युवती ने शादी का दबाव डाला तो आरोपित टालमटोल करने लगा और कथित रूप से उसकी अश्लील तस्वीरें दिखाकर ब्लैकमेल करने लगा। इस कारण युवती ने 16 सितम्बर को आत्महत्या कर ली थी। थाना पुलिस ने बताया कि आरोपित विक्रांत को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया गया है।

विहिप ने देवताओं पर अभद्र टिप्पणी मामले में दिया ज्ञापन

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर में बिरहा गायिका सरोज सरगम द्वारा देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के विरोध में शनिवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट विनीत उपाध्याय को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि सरोज सरगम पत्नी राममिलन बिंद, निवासी सिहवान गढ़वा थाना मड़िहान ने अपने यूट्यूब चैनल सरोज सरगम पर अपलोड किए गए बिरहा गीत में हिंदू समाज की आराध्य मां दुर्गा के खिलाफ अमर्यादित व आपत्तिजनक टिप्पणी की है। इससे हिंदू समाज में गहरा आक्रोश है।

विहिप और बजरंग दल ने मांग की है कि गायिका के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर कठोर दंड दिया जाए। संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो वे बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष माता सहाय, जिला मंत्री श्रीकृष्ण सिंह, विभाग संयोजक प्रवीण, सह मंत्री अभय मिश्रा व विनय, प्रचार-प्रसार प्रमुख अरविंद सारस्वत, जिला संयोजक अशोक, सह संयोजक पवन, श्याम सोनी, जीतनरायण पांडेय, लक्ष्मीकांत पांडेय, देवप्रकाश पाठक, रत्नेश कुमार, नगर उपाध्यक्ष रोहित जैन, नगर मंत्री बृजेश, प्रमोद, सुब्रतो, विकास, मोहित, करण, विवेक, आशुतोष समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजधानी में 'शहीद पितृ श्रद्धा नमन' का अनुष्ठान रविवार को

लखनऊ। सुमंगलम परिवार की ओर से स्वातंत्र्य समर, विभाजन विभीषिका एवं राष्ट्र रक्षा में शहीद ज्ञात-अज्ञात क्रांतिवीरों को तर्पण-श्रद्धार्पण के लिए ॾशहीद पितृ श्रद्धा नमनॾ का अनुष्ठान रविवार को पितृ पक्ष अमावस्या पर शहीद स्मारक, गोमती तट, लखनऊ में किया जायेगा। यह जानकारी कर्तव्या फाउंडेशन के महासचिव डॉ. हरनाम सिंह ने दी।

डा. हरनाम सिंह ने शनिवार को बताया कि इस अवसर पर कई सामाजिका संस्थाओं के प्रतिनिधि और शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित होकर कृतज्ञ भाव से शहीद क्रांतिवीरो को तर्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर राष्ट्र के सुख, शान्ति, समृद्धि का संकल्प लेंगे।

अनुष्ठान में सुमंगलम सेवा साधना संस्थान, कर्तव्या फाउंडेशन, विश्व पुरोहित परिषद्, लक्ष्य भारत फाउंडेशन, हमराह एक्स एनसीसी कैडेट सेवा संस्थान, लोक संस्कृति शोध संस्थान, अक्षय वट, पूर्व सैनिक सेवा परिषद, जयति भारत परिवार, बिम्ब सांस्कृतिक समिति एवं शहीद स्मृति समारोह समिति के कार्यकर्ता शामिल होंगे।

महिला से मारपीट, नौ गिरफ्तार

कौशांबी। 17 सितंबर को सोशल मीडिया प्लेटफार्म में प्रसारित हो रहे एक वीडियो में कुछ व्यक्ति एक महिला के साथ मारपीट, गाली गलौज करते हुए दिखाई दे रहे थे। प्रसारित वीडियो के सम्बन्ध में थाना सैनी पुलिस द्वारा जानकारी की गई तो ज्ञात हुआ कि यह वीडियो 16 सितंबर की सुबह ग्राम रामलाल का पुरवा थाना सैनी में घूम रही महिला से मारपीट का है। महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ है। जो आने जाने वाले लोगों के साथ गाली गलौज करते हुए पत्थर मार रही थी, जिसके उपरान्त ग्रामीणों द्वारा महिला के साथ गाली गलौज करते हुए मार पीट की है। अयोध्या है, जो मानसिक रूप से अस्वस्थ है वह भटक के यहां चली आई थी, पुलिस द्वारा उसके गांव का नाम पूछकर सी-प्लान ऐप के माध्यम से पता करते हुए उसके पिता को बुलाकर सुपुर्द किया गया।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321